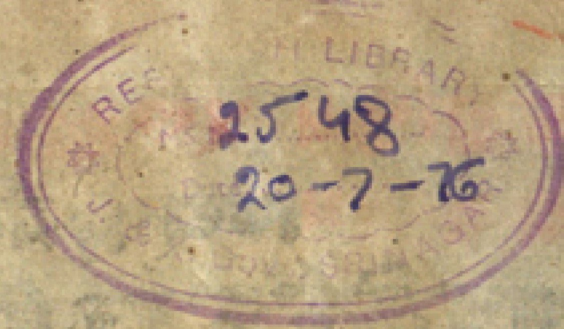
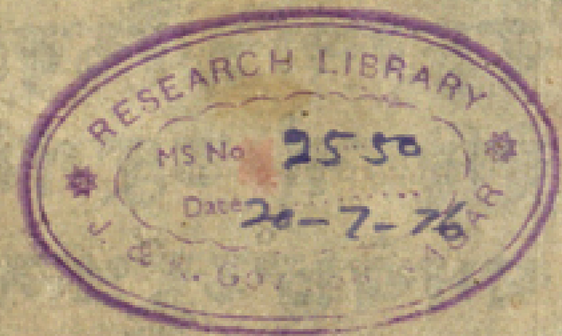
१८ छविनगी


RESEARCH LIBRARY
2548
20-7-76


RESEARCH LIBRARY
MS No. 2550
Date 20-7-76

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ विमलकलासुधाछिन्नवमष्ठिम
दएवनीठितततद्भपङ्कमापु
पुण्यसिल्लनकः । ततठयपमल
मृगितठवविमनमयं । हमयमन
तुरामततक्लेममंमृगातती ॥ ॥
ममङ्कनेहमयंएगमत्रक्षिसवु
वमृंतधुंवमुसमष्टकं । सदपाएहि
पुमातुतमेंक्षगरक्षांपाष्ठमम
वेसमसेल्लामेन । सिक्षलाहकलि
ततयाष्ठगर्तेती । कलहुपयष्ठेम
स्तुहदेवविकसितासिहतः । उष्टकी
हगिहङ्केतङठयेडि । तसहवङ्क
एमुसमंम । तङठयं । तष्टयमलें
तयेदहमलंकुपंममसहुततिम

ततिवङ्कमा—नीह । सक्तिसक्ति
मङ्कमगमृङ्कममभ्युतःस्मृगि
तठवः । पमनयेक्षदेवमृतांवेल्ल
सितमत्तकैयेमें । पतांववमिमनें
यमहत्तदकलाङ्कक उहङ्के । तल
तलेठयसकृष्णकं दकरवतुपे
विसनेगदिनल्लिलसिषंमृठवःम
पुनतिदहततं ॥ पतांवद । पगतु
रमतत्तलसिति । पगतांकतिप
यकलसुरु कदमतनुगवेलक
एहहंसतत ॥ यहपिगयठयंकि
पिनएराहपयेपिव । नविष्पनम
वैमङ्कतकलःकलयेष्टतसिहक
लकलितद्रसविहमानंमतयहत

कुलंमगींयथ्ऽम, भाप्रुकलाभूकु
पमिहङः। उहङं॥ कलाभपुरुमी
यभावभडकाकुपिल्लीति॥ किंड
दरुयमिहद॥ ल्वनीलनकब्रीति
कीदमील्नी॥ विभलकलामुयेति।
विगडभलाम्ववह्रोरुक यभूभु
दमीयाकलापगविभवैकश्वहव
हवकुडलदल्भपुषयाँपुल
श्वेभृकुंपयभूः। भा। पुदुश्वउडूम
ज्ञिकुपेहङः। पडापवाठिनवाठिन
वायाभाहृयंभष्टु। पुदुश्वभजे
पुडेवविमिवक्कुतुतिनीह। मिव
श्रैवडहभवाकूगिङ्वड॥ भधः।
पाीपुल्कुलकाल्। डेल्ः। म्रैोप

भूः। मेडूङं॥ ङदहयनयेदिकग
वनेवश्वभृउडूभफकृरुहभभा
डुभाहडयाभृंहितिरिज्ञभपिहतिति
जुङिनेवल्गारुठभयतीहनयाप
किल्ः। भृउडूभेवल्गाडेमिहृविमि
उड्वभङभी॥ पविहृवभभामीकंठे
रुडेमपिकल्देपदउङ्गङ्गाडेमि
हृविमिडुव, ठिण्ग्रपभडेः॥ पड
सवरुगवडन्निमहुनतुमक्ति मंठ
वेपिडकुगल्भडहुवतुमंडभूगब
भूणाङ्गविदठिणं यङश्चति॥
डेनभूउडूमक्रैवपङुडहङ्गभेपि
णिति॥ ॥ल्नकन्नकीदगिहङे
ठङिडङगिति॥ ठङ्गिभचाकङ्का

रु: दौ ३ ज (left margin; reading uncertain)

जू (right margin)

दे
३ दू
५

रुतो॥ उत्कृष्टेकः पूर्वमितरः॥ उ
ह्रकीदृशमिदं उभयत्राप्युक्त
लमिति॥ स्वरूपमीनामद्वैवलय
रविदमानमुत्तानहरूम्रतो॥
वतायवाप्युभयत्रसमक्कानाप्नु
यात्रासतोवकुलं॥ उलेयन
मनाप्तं उदनाय सुपूर्वमिदं
तः॥ यह्वकीदृगिदद॥ उदक
येति॥ उक्तदृष्टान्तेऽनेनाभिधीयं
दवनुकमतपं॥ उदयाभलेलेली
तव॥ पुतुह्वरूढयेतुः कमतुलेली
द्रुत्पराप्नुतिमिति॥ उषा॥ पूठ
वपृषयेरतुलेलीठवातो॥ द्रुतेव
तात्पूर्वदृष्टिनीह॥ स्फुतितमतु

कः॥ स्थितद्वन्द्वविवेण्डजनमुद्गयं॥
पौवहतात्पूठगुवतीभंविद्युष्टत
हृद्गृद्वन्द्वविस्तृष्टुवठभयातिवि
लापंयतिमेहठिपूयः॥ पउतं॥
यथाविहैसितात्रैकठमाकलक
यदृगी॥ रात्रेडेतहयास्रेल्किकि
भिगगवेसते॥ स्थिक्विद्विपमेदा
द्रुपतद्वात्नेरतेति॥ ॥ उपद्वंपा
स्थिपूमठयंहृमथ्यु॥ लनवील्दृक
द्वैति॥ लनयातिविद्वमितिलनी॥
पापानेस्वरीभद्वहमसहम
मप्तद्वरेण भादुभठवद्व॥ द्विमल
येयमासिद्वतमाद्वमभीकलम
हृयपुलमृतंगतिदृष्टः ममकल

तिं
त त्रु
त

ति।ष्ट हृते:॥ महृ ह भू भ वे न नु त
नहृ त या म भ क्क रा ति मय द्वे न भद
तर्ह्न्वे य ष्ट भा। तष॥ ल न क ज्ञ कीद
मः प ज्ञ व प पु भु न मि:॥ प ज्ञ भ प:
भिंदः भिंद पु पु ति भं ज्ञ या न मि द्धी
ष्टि: भ व ह भु ष य भु भे त ष्ट हृ ल
ज्ञु पलके ति ल न भु भि ह ज्ञ क्कु व रु त
णि ख ल्ले न न भिंद पु पु त ष्टि व हृ भ ल
भा द ष्ट न न भिंद पु पु वि भ ल ष्टि पि त
न वि ति पु न्व:॥ भ ति दि प रु षु प ल क
रु भ ह पु ह ज्ञ न ऽ ति नी ह। ठीमें ठीम
भे न ड ति य रु ह धि न न भिंद पु पु भिं
द पु पुः प रु ये: पु येगः॥ रु ति त त न
गि ति॥ सिव मक्क ह कं कु पं रु व ये ज्ञ

पा न्द न भ॥ न क्त द न्न नं वी व ह्निं न ग
भे द ठि भें पु त भ॥ ज्ञ रु व न य या भ चं
क तु हृ भ णं के तु भै गि ह हृ क्त नी ह व
ये न पि सिव म क्ति भ न वे म भ य ग ह्वं इ +
ठि ण न म्ने भे: क क कि ष्ट ये न ये इं। ८
तु भि व भे वं वि ण भि हु ये गि नी भु य
पि ठ भे ल क भ भ हु त य॥ त न हृ
ल क क लि क क लि त त न रु क्त ष्ट हृ
क्त नी ह भ क्तु वि ति न त भ प रु द्व य
ज्ञ न प हु त भ ठि भ ण त पु क्तु नु त
नि पि ल ख न व म भु भ भ ह्नु द क्त
त पु क्तु का ल्ल भूणि क न: क ल्ल की न
त:॥ प ह भ भ रु व हृ पि ष्ट ष्ट तु न
ल्लि न न तक्ति॥ पु क्तु गौ न व ठ य हृ न

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्री:

श्री

वेद्रदिस्रीभर्ता ॥ + ॥ श्रीकण्ठना
घाल्हवमाञ्जिदुपवतरजं ॥ ह्रस्व
कःमञकाठिमुस्रीनाघापवनयेदु
ये ॥ दुपाद्वयेमविभाजःदूमेलि
वमाभवे ॥ भडुश्रमावयेल्लेडि
डीयेदिदिकूश्रमतः ॥ भमाव्हेभुक
ठिमुःमतुनःमधुतिष्ठितः ॥ पड
ज्ञावमडनुद्रभाठिकःमतुतिद्रम
ड ॥ ड्मिवक्वीभाशनुद्रसीभतुद
मतुभेकद्रेयभुकवद्रेयमुक
णुभमवभतिमधुमाठिकम
मप्नद्रह्लमाशडतुधुक्लियापभु
यभुकमाठिकसुयल्लेनुतिद्रले
भीतिमाभाहेवडवनुकुनठिम

पयति ॥ ॥ द्वेयभुकठिदिड
मतुतिडभुपल्हीभक्ष्वत्रिकपुक
रकत्तिविलेषठलः ॥ प्रवेल्य
त्रिपुद्रवेपुद्मभुमिवुकब्रेनके
लिकलनामलकल्हपारः ॥ ॥
द्वेयभुकेद्रठिदिडमतुतिम्हठिके
डडः ॥ रुवं ॥ नेवास्रीविरदर्पति
प्रवभाभम्नदञ्जनभं ॥ टखीवव
ज्ञतदवेडधुवावगूदक्षिया ॥ क
लेभूवडुयाडधुडधुडनभगोम
वे ॥ कल्यपिपुभभूभापधक्षित्रे
मिवमाभवे ॥ केलाभद्रेहूभद्वे
प्रहुस्रीकण्ठुपया ॥ पवगूदय
वस्रीलञ्ज्रेपयामाभहुडले ॥ भुति

नवा मभंकम नगर्वत्र [illegible] मभी ॥
[illegible] यष मभुं दमं [illegible]
मभी ॥ [illegible] भगवा [illegible]
[illegible] ॥ भम [illegible]
[illegible] ॥ कलिक
[illegible] पिल [illegible]
विष [illegible] भवि [illegible]
[illegible] भ [illegible] वता क [illegible]
[illegible] कैल भ [illegible] की क [illegible]
[illegible] कि [illegible]
यति ॥ ॥ [illegible] यति [illegible]
[illegible] वि [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] गव [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]

[illegible] वता क [illegible]
यः [illegible] क [illegible]
कये [illegible] पा [illegible]
म [illegible] ति [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] पद [illegible] ॥
[illegible] पा [illegible] मा [illegible] यद [illegible]
भः ॥ [illegible] मा [illegible] पा [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] क [illegible]
[illegible] पं [illegible] ॥ [illegible] प [illegible]
प्र [illegible] गव [illegible] मभ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ये [illegible]
[illegible] ॥ भ [illegible] ति [illegible] री
[illegible] क [illegible] क [illegible]
[illegible] ॥

त्रि
३ नु
०३

उक्तापि ॥ तस्मादेव सर्वप्रयत्नेन पठेत्
[illegible] ॥

नमस्कृत्य इति विशेषधर्मे
[illegible] ॥

[illegible]

ॐ तिल्पीते ॥ ॥ भत्तिपद्दुतयत्निद्
३ ३ म्धैुतेद्रुतेषद्रुपभा ॥ पत्रुतापन्दवाउ
७० द्रुम्नेद्विकपिनेद्रुते ॥ ॥ नमान्द्रु
घाभश्चरुमिद्दद्रुच्पुद्वंपुष्टपयत्रे
वंपुतिल्लुकाल्भाभां हृं रुत्रयति ॥ ॥
उद्दुदंवरुमःभक्तिःमिष्टभद्द्रुमाति
ठिः ॥ पतितैरमयेभ्दधुंपुल्कुंजंपुद्रि
यामिभाभी ॥ ॥ श्रीठदुनाषमराजु
पगाउषाश्रीरुद्दुरिकद्धिपगला
कुरुभत्तुतिद ॥ रौणद्दपानविधवउ
द्दपाभनेद्रुरौणञ्जुलौठिनवतुधुउथं
कौति ॥ ॥ उभूगुरुपाभ्दागाउ
भूद्धानभ्रष्टपाभनेभवःपुनन्नुउमिदि
वेमनं उउउजितैयेभावपम्भुधुरुवि

धयौरैणःभकाद्रुरमुनैज्वुलः ॥ भ
भ्रूगवगउणमभत्रिमिरुद्रुपरुमद्रुं
मयविपदभाश्रिदिउद्वेनाणिगाउ
भवतुरद्धिकजपुद्रियालवालंभपा
न्दुतिमिष्टपयिषयाकौदृपाश्रिम
उोद्रुञ्जः ॥ पद्धिनवतुधुउतिं ॥ भक
लंलैकपुमिद्दुनभौणीरल्नाभि
त्रुधुद्वमैवैभैवलिङं ॥ उद्रुंदिभद्
पुमिद्दुकाल्द्दपा
द्रुउणम ॥ यपाद्दधुष्टद्रुमष्टमिष्टप
यिषयाधुपनुउपमिद्दुभाधुउति
उद्धुनुपाभधुंदृमधु ॥ यागुरुभ
तुतितिति ॥ गुरुभतुतितुरुपांभ्दद
भविद्धिनउयापिुं ॥ उद्दपश्रिंधुंद्व
नमिद्रुञ्जः ॥ भामकीदणिद्रुज्रुं ॥ रौण

१०

रूपमविषयमिति ॥ यत्किञ्चिद्दृश्य
ज्ञैतेऽसंविज्ञानं तत्प्रभवस्तौ ॥ परास्थित
स्वभावरूपात्मतदृश्यमतस्तेते ॥ ऽहमि
वस्तु [illegible] नीरूपेण दृश्यते तत्त्वमिव
स्तुत्वे [illegible] भूयात्मक [illegible] तस्मे वयम
भावभेदक [illegible] विधं तत्त्वमतिया
भ ॥ तथा ॥ श्रीकण्ठनाथ इति श्रीमत्
नाथः श्रीकण्ठ इति केऽपि [illegible]
त्रीयज्ञकभनैव ॥ [illegible] कण्ठ इति क
नाथं श्रीकण्ठं [illegible] ॥ कण्ठ इति क
लाम्प्रियायज्ञं [illegible] वीरभक्तौ ॥
[illegible] तत्त्वं [illegible]
गुरुमिति ॥ श्रीभगवति [illegible]
श्रीभगवद्दयेन [illegible] ॥

ज्ञानमुक्तियायज्ञस्तीभगवतैव मिथ्
[illegible] इति [illegible] प्राप्यादिदगुरु
[illegible] ॥ ॥
[illegible] मुक्तियाक
[illegible] इति [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ किमिति ॥ श्रीमालि
नीविलसन्ते [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
दयत्व श्रीमालिनीविलसन्ते ॥ [illegible]
[illegible]
॥ ॥ श्रीमालिनीविलसन्ते इति
[illegible] मालिनी विलसन्ते
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

रि ॥ यद्भुविंमतितिहिवयद्भुमुंडेविरि
नडडति ॥ भूत्य वेवैव ॥ मिवैदङः
मिवाडिंउडेमः दडै द्भुदडुप्डुडतिड
मेरिकुपितः ॥ वद्भुडिभुडितुंमिड
यद्भुमद्भुष्ढुष्ठिडैवडेमः ॥ डयामः
ड्यधुडवेधुडुपेमिवमाडिडद्भ डुड
पुपेमिमीवडुड्भ मिलुडि वडुधुडे
कयहुडुधुडुडतिरेमणदुतिरेदि
डद्भुकडेयंमडुडुपडेवडेमधेडमा
द्भुकमितवहडुमडधुयंयमयगय
मडद्भीवडमेति ॥ डदैषं यरमारमे
लवयामडधष्ठिरहुयधुडवडेव
डेमः ॥ डडङ ॥ यद्भुडुडविलंदङ
लिडुंहडुडमंभमडभी ॥ डमधुडडु

डमेयमदधुडवयमिनिडडमा ॥ भवभं
दाकद्भुद्भुदङंडिमिडुयपडे ॥
डेमडवकभायीयडेलेमगुमवडुक
डडडद्भीवडुंयातियायडुद्भुमडधुय
भा ॥ डद्भुडुधधुयेडुडतियिडु भुवि
दिडडे ॥ डड्भुयगयमेवेडहेमयेडम
कद्भुकमा ॥ मवडेमनिकदडेष्ठ
डडुयमिवेविमडे ॥ यधुधुकद्भुड
कभुयगमडेवडद्भुकमिति ॥ भड
द्भुवीवीकडुमडिणवधुवेविभुवड
डडमा ॥ डहुया ॥ मददुवेयडेकहे
गीडयहुरमेष्ठिभा ॥ डद्भुडेमैःधुवडी
मिमडधष्ठिविडगमः ॥ डेवंयाभ
लंमेवभडलुप्नद्भुलंडया ॥ मडधुकं

श्रीः
३१
३१

मन्तुं विहरन्तं मङ्गलिनं भगवन्तं ।
कीर्त्तिर्भगवानेवमनन्तध्यप्रामेश्वरि ।
देवीसिद्धिकसैवदं भाष्यमकनन्दि
क । तल्लोपमतुलोपमविद्रुल्लोप
मविद्धमनं । नदेवागमिकेम भुक
पालेमेवन्नधितः । देवी उसितप्नु
ताविल्यमेववाह्निडीपकः । वील्यमलि
भूतीयतुभ्यमेदं तुमयतजकमी । पञ्च
मेकमनं नाभधर्मं सैवाध्यवचकमी ।
कवर्त्तुं भपुंभाष्टंतं सिरः स्कैसैधुमन्द
तः । नतेसैविसिपाठेम उद्धतेनबठ
पितः । गतद्भ्रमसिवंसवभप्नुप्नु
कविठेसतःवति । देह्नि त्वेठेसै
पठेसनानावैसिद्ध द्भ्रानानाप्नुकामि

ततः । इति श्रीसीकपेटकद्धनम
वज्रभक्तिम् । सध्याविंसतिठेसैनु
गानन्देसर्वंभोहमि । तथापाज्ञि
मेक्रुततत्तुपसि ...... तथापाकेसम
क्लिसभानञ्चतविंसतिठेसञ्चहमि ।
तथावाभसैवातुपहुतभटतुद्भन
तंमप्लिहामि । घटठेसैपठेसवैमि
द्भुमतं । तसेकैकटवतुटपञ्चवतु
द्भुकञ्चसेततेद्भुसलतेपठेसद्भुकमे
वेति । ततासवभद्भुदीतसिदिपन्द
गिदनायाभ्यु । तदतं । नकेकंप
ञ्चवतुंसवतुंपभद्भुगीयते । सस
धुमसठेसनु । ततेठेसैधुमद्भुतेति ।
घठञ्चठेसठेसठेसठेसधुतिपटकं

ਸਿਵਨਦੁਠੋਰਵਾਰ੍ਤੁ ਤ੍ਰਿਣਵੋਸੰ ਸਾਪੁਸ
ਕ੍ਰਤਮਿਤਿਸਿਦ੍ਧੁ ਤੁਃ॥ ਤਨ੍ਤ੍ਰੋ॥ ਤਤ੍ਰੇਣ੍ਠ
ਨਦੁਸਿਵਠੋਰਵਾਰ੍ਤੁਸਿਲੰ ਤ੍ਰਿਣ॥ ਨਪੁਤੇ
ਦਿਤ੍ਰਿਵੋਯੰ ਨ੍ਠਨਮਤ੍ਰ ਵਿਸ੍ਯਸ੍ਵਤੋ॥ ਠੋਵ
॥ਨਠੋਲੁਠੋਲੋਨ ਤਧੈਵਾ ਠੋਸਠਗਿਨੇਤਿ॥
ਰਵੰਸਠੋਲ ਹ੍ਤ੍ਰਕਮਪੀਸੰ ਸਾਪੁਪਾਸੇ
ਤ੍ਰੋਸਵਾਸਾਧ੍ਯੇਨਤ੍ਰ ਕੰਸਿਦ੍ਧੁਤ੍ਰਿਕੰ॥ ਪਰ
ਸਿਲਵੀਤ੍ਯਵਿਸ੍ਯਤ੍ਰਿਣਸਤਯਾਤ੍ਰੇਗੀ
ਨਟੁਪਧੇ ਗਨੁ ਸ੍ਰਿਲੇਤੇਲੰਨ ਦੇਲ੍ਯੀਵੋ
ਨੇਸਤੰ॥ ਯਥਾਤਥੈਵ ਸਾਪੁਲੰਤ੍ਰਲਸ
ਤੁਃਧੁਤਿਸ੍ਥਿਤਸਿਣ ਹ੍ਤ੍ਰਾ ਪਾਸਾਤ੍ਰਯ
ਸਤਪਰਿਸ੍ਥ ਵਿਤੇਵਿਸਹੁਤੰ॥ ਤਨ੍ਤ੍ਰੋ॥
ਤ੍ਰਤੇਪਿਸੰਕ੍ਰਤਸੇਧਠੋ ਵੇਪਾਣਿਵ ਨਿਠੁ
ਨਃ॥ ਕੈਵਪੈਨਸਤ੍ਰੇ ਹ ਨ੍ਤ੍ਰ ਵੰਦਿ ਤਸਤ੍ਰਿ

ਕਃ॥ ਵੰਸਾਨਵਾਮਸਕਾਧ੍ਤਸਮਕ੍ਰਿਤ
ਯੰਤ੍ਰਸ੍ਤੰ॥ ਤ੍ਰਧਨਾਲਿਪਰਾਪ੍ਰੇਤ੍ਰੋ ਤ੍ਰੈਣੀਦ
ਤਤ੍ਰਿਕੰਸ੍ਥਿਤਃ॥ ਤੁਤ੍ਵਵਾਮਤਲਨ੍ਤ੍ਰੀਤਤ੍ਰੁ
ਸਿਮਤ੍ਰਲਾਵਿਸ॥ ਤਹੁਨਧੁਤ੍ਰਤ੍ਰਠਾਵਿਪੁ
ਪਤ੍ਰਾਠੋਸਤ੍ਰਸਿਕਸਿਤਿ॥ ਨਤ੍ਵੋਵੰ ਵਿਣ
ਨਕਸਿਤ੍ਰੁਤਿਨਪਲਹੁਤ੍ਰੋ ਙਤਿਕਿੰਧੁ
ਸਾਲੰ॥ ਨਤ੍ਵੇਤ੍ਰੋਸੇਵਾਨੇਨਗੁਨਪਾਨਧ
ਦਲਕਾਲੰ ਧੁਸਾਲੰ॥ ਯਠਦ॥ ਙਤ੍ਰੇਸਤ੍ਰ
ਵਿਠਿਤ੍ਰੈਤਤ੍ਰਿਕਸੇਵ ਤਥਾਤਥਾ ਸਾਪੁਸ
ਸਤ੍ਰੁਨਗਦੇਸਧੁਲਯਨ੍ਤ੍ਰਸਾਤ੍ਰਿਤਸਿ
ਤਿ॥ ਨਵਤਲੋਕਦੁਪੰਚਤ੍ਰਿਧੁਠਵਤ੍ਵੋਸਿ
ਹੁਤਤੰ॥ ਨਤਸਿਲੰਪਾਸ੍ਥਿਤ੍ਰੈਤੋਨਾਗਾਸਃ॥
ਕਤ੍ਵਨਸੰਵਾਸਨੀਯੋਯੇਨੇਤਤ੍ਰਸਾਦਿਤੇ
ਸ੍ਰੁਤੰ॥ ਨੇਤਤ॥ ਤ੍ਰਵਿਗੀਤੇਵਦਿਧੁਸਿਤ੍ਰੁ

[illegible]

[illegible]

ष
३ ३
३०

वितेमंतः॥ चतुर्देशदुत्तेमेयभूप
मारादुकल्लुते॥ दुलतेमेरकल्ले
इकल्लुन्नेमयषक्रवमिति॥ नव
यद्देवंउउ॥ वेदामिहः पांमेवंमे
वाद्वमसमाकिल्भी॥ मविल्लुद्वे
केलंकेलाद्धाउवंनदीइमिनेत्रम
धंयषायषमद्वुद्वेचक्रेनभ्राउ॥
नेउउ॥ इन्द्वाठिवेनेषाभपायेप
पठवभूत्रांइउ॥ उमपाभाइमेपम
मधुतिपामकमेवमाभुंमिवभद्व
वलाठेकवलमिइवमेयमं॥ उठ
वंउद्वतिपामंकतिभ्रनःमाभुलि
उद्विपकमभद्ववमधुतिकेपपर
द्वमिपयषघवंउमन्नद्वउमि ६

तिउमवपरमपमध्रुवभाकहुप
यकुउद्वदद्धुधम॥ पउन्नानेवेवम्रि
भालिनीन्नेकवातिकमेविउहेत्रम॥
चउरावभ्रयभवण्दं॥ गुरुगोरवठ
पाकुभुतिपमेनभवामिउं॥ चउराव
द॥ उद्धांइिकमाभुमिति॥ उदत्रं॥
वेमल्ढेवंउउवभंउउेमकंउउन्नुं
उउभउंउउन्नापिद्विकंभचेउभप
गमिति॥ चनेवेवामयेनमवाभम
नाठिषिउंपिमेमिकःपाउद्ववि॥
भक्षंदेठेरवेमेपिकुलेदिकेपिभ केले
इमिभ्रीनिमामरामवउमें॥
उउन्नमिदुरामकभालिद्याद्दाप
ग्दपाद्भकंवद्विविंउद्वियभ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

३५

[illegible]

दं
३ द्रू
७५

षरोद्रूं कद्वे नड्रै विद्दे पीदधेरष
मेवविवकित्तंभूमिद्दद। कनुमिद्द
द॥ ॥ विशेषणन्यवद्भिमुंभेअरे
तुरकलिके॥ भेठवनं विशेत्रै तमठवे
मेकमवूवीतौ॥ ॥ विशेषणमेवेति
भेआरन्तुरकरन्मिद्दनेन॥ नेनदि
कारुवआयकुपंरोद्रुमह्लनेकद्नः
करन्मपितुततुम्रेति॥ कथमेतद्वि
शेषणमद्गस्कतं॥ तद्विमतिकद्मके
करन्केमरीरिभभुवति॥ तभ्रकर
करन्त्रकद्वत॥ वहुत्रकरन्वत
तुःपातिद्वतौ॥ पतरवितुं॥ भेभोरतु
रकलिकेति॥ मरीरतुवराकरेआ
यीयःपतिकीत्तितङद्दद्रुत्रोः भेभार

मूनीरमनतुरठाविनीद्दतः॥ किंत
द्रुफवनविरभेनेद्रुतमेतमठवे
मेदमवूवीमिति॥ नदिरोद्रुरुनभद
त्रिवतुभेवेठवेद्रुतश्रित्रिवतुरोद्रु
मेवह्लनश्रमिति॥ तभ्रम। तुद्रुविकल्प
द्रुवेशिर्मचविकल्पः भेभारनतिनीद
भेभारविद्रुवकद्वमेवेति॥ कथमेतम
ठवेपिनवंभ्रुतौ॥ यमठिद्रुयनमिते
रद्दैरपि॥ पनमत्तुविकल्पेपिनव
न्नीयतपात्र्वितः॥ केदिठेमेविकल्पर्द
तुठेवाध्ववदातुठेङद्दद्रुतं॥ पेन
षेपुनरह्लनेमीदामिनिवितुभति
यदि। रोद्रुंह्लनभूमियदतुमतभ्रवद्रुौ
भान्नीद्दन्नीवत्रुत्रिं॥ पुद्दपिकरांद्र

३७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वि
३ ३
४०

रमन्डलमिदं हृदेः ॥ उभूउभूमतुरु
मविण्येद्वदुकः मेमारमूमात्रिदं ३३
उद्धेमकमिदं हृदः ॥ ॥ ऌवस्टदिमे
मनमेवण्मः मङ्गमितभूमङ्गमि
उङ्गमी ॥ रउमेवमत्रयति ॥ ॥
रगाहृकलर्षभूतः कुद्वैदंकदुउे
ङ्गिउः ॥ ण्उङ्गेमममहृमहृंऌवेभ
फ्रतिउवउः ॥ ॥ उङ्गेभूषभाव
निकुपिउमकुपंऌंउवउः पति
मिउवमतजती ॥ वेहुमीकृङ्गी
तिमभूरु ॥ ङहरगाहृकलषेदंक
कमीति ऌंवंपेगमारा ॥ फ्सङ्गः
रगामिकलषंमिकुमेमाराभुङ्गिविकु
उ ॥ मङ्कपाकुषिउेमेवः पूदीनावाले

श्रीः

ऌिवेति ति ॥ उषा ॥ भूतस्थानमिदंमि
कुं भूदहृउनवेमला: ॥ उेषाभूप
येभवाउं उङ्गृतिरविनस्वाभिति ॥
वहृयमङ्गः ॥ भूदतिभूतश्राहृ
मिउभूनाहृविहृवमाहृगामि
ङिरगतुकेडलेराछउङ्गनमेमा
विकुवेपि ॥ रुवनाहृडकमना
रुभुवरलाउकुलगातुकमलभू
दलेनासूयपराचहृविनस्वाहृे
उीकुपभ्रकुपाङिहृङ्गिः मेवडउति ॥
उमपङ्के ॥ रुवनादिमहृरुवक्षिः
काल्लमिभृउे ॥ भावालवयिले
मिउवलेवंविमेषमक्षिणउंनेङ्ग
कउे ॥ उभूः ङ्गिरैकसूयगउहृनवि

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible]

ਪੰਥਿ
ਤਤ੍ਰ
੨੫

ਵਸ॥ ਅੰਮਾਰਮਰੂਮਾਕੁਸਠਰਵਤਿਮ
ਣਯਤੁਵਮਿਣ੍ਹਮਿਮਾਮਾਣ੍ਹੈਨਾਰਿਯਯ॥
ਮਤੇਮਘੂਤਿਰਨ੍ਹਤੁੰਮਾਰੁਖਾਤਿਮੇਸ੍ਰ
ਰ:॥ਰਹੂਸੰਮਾਰੈਤੇਕੁਯੇਯਾਵੜਿਵੰਨਵਿ
ਸਤੀਣ੍ਹਮਿ॥ ਰੈਹੂਣ੍ਹਵਾਤੁਰਸਜਨਮੁ
ਤੇਮਲਕਾਤਯਾਵਿਸੇਥੈਸੇਕੁਮੀ॥
ਯਥੈਬਨਤ੍ਰਿਗ੍ਰਵਥਕੀਸਭਵਾਸ੍ਰਰਨੂ:
ਮਾਰਵਮਾਕਾਮ੍ਰਤ੍ਰਤਣ੍ਹਦ॥ ਮਤ੍ਰਮੁ
ਮਵਾਵਕ੍ਰੂਸਵਲਿਤਣਤਿ॥ਯਨਤੰ॥
ਮਵਾਪ੍ਰੈਨੇਵਿਵਿਧੂਤੁੰਸੈਵਾਦੰਤੁਮਾਂ
ਪਲਾਣਤਿ॥ਸੈਵਾਮ੍ਰਿਣ੍ਹਿਨਾਤਿਪ੍ਰਤ੍ਰੀ
ਤੇਰੇਧੰਮਤ੍ਰ:ਮ੍ਰਿਖੁਪਾਰਹੈਤਿਨਾਠ
ਣਤਿ॥ਪ੍ਰਣ੍ਹਸੈਵੰਵਿਠਸੇਵਪ੍ਰਲਣ੍ਹਵੈਰਿ
ਮਿਤੁਮਿਣ੍ਹਦ॥ ॥ਯਤੁਲ੍ਹਯਮ

ਤਨੂਮ੍ਰਲ੍ਹਵੰਮਵਾਤ੍ਰੂਨੇਕ੍ਰਿਤਮੀ॥ਚਵ
ਕ੍ਰੈਸੈਕ੍ਰਤਤ੍ਰੂਣ੍ਹਮ੍ਰਲ੍ਹਵੰਮਣ੍ਹਮਤ੍ਰਿਸੀ
॥ ॥ਚਵਕ੍ਰੈਸੈਮ੍ਰਕ੍ਰੈਸਾਲਾਯਿਠਿ
ਗਿਸਿਤੁਪਰਾਮਨੈਮ੍ਰਚਾਤ੍ਰੂਨਾਮਚਪ੍ਰਕ
ਰੰਵਮਨਾਮਣ੍ਹੇਤੇਪਿਯਨ੍ਹਕ੍ਰਿਤੁੰਪਰਾਦ
ਤੁਪਰਾਮਬਮਾਰਮਿਣ੍ਹਤ੍ਰ:॥ਚਤਾਵਪ੍ਰ
ਲਮੁਖਾਤ੍ਰੂਕਵਨਤ੍ਰਾਣ੍ਹਪ੍ਰਲ੍ਹਨਮੀ॥
ਚਤਸ੍ਰਮਣ੍ਹੰਮ੍ਰਤ੍ਰੂਠਮਵਿਲਕਾਂਮੁ
ਤ੍ਰਿੰਸਸਾਤਿ॥ਚਦੰਪਰਾਮਬਮਾਰਪ੍ਰਮਾ
ਣ੍ਹੈਕਕ੍ਰੈਨਾਸ੍ਰਰਤੀਣ੍ਹਤ੍ਰ:॥ ॥ਣ੍ਹਸੀ
ਮਕ੍ਰਿਸ੍ਰਯੈਕ੍ਰੂਵਾਲ੍ਹਰਯੇਰਵਸ੍ਰਕੁੰਪਵਿਠ
ਲਤਿ॥ ॥ਲ੍ਹਨਾਲ੍ਹਰਸ੍ਰਕੁੰਪੰਪ
ਨਤ੍ਰਮੂਣ੍ਹੇਕਮਪ੍ਰਸ:॥ਕ੍ਰਿਣਪੇਨਖ
ਰੈਹੂਵੰਠਿਸੈਤ੍ਰੰਸਿਵਸਾਮੇਨ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

प
३ ञ
४१

भुङ्क्तः ॥ पुनरपि कल्पान्नियोगं स्तुत्व
त्रैलोक्य श्रियं ज्ञानं कस्तु व हस्तियत्तं
तस्य ॥ पुनस्तस्य कल्पान्तत्तुपञ्चेग
गच्छति ॥ एतस्य कलशमभृते
किङ्करगोतत्तेमल्लात ॥ विश्वविषम
यन्त्रक्रमं तत्त्वदकवल्लि ॥ गोपि
ज्ञपदनं श्वेतगोधूमपि श्रेपि ॥ नियति
देवपदेनं श्वेतकक्रल्लिभजलं ॥
कलौपि कलयन्तं तुहृष्टिकिरवक्ति
तत्ति ॥ ॥ ज्ञानश्वतुपस्थमवमशक्ति
सेष्टवक्केहवधञ्जिपान्तज्ञमस्व
ज्ञानश्चकुपंविकुपित्तं ॥ नवभंसेवहिव
तुङ्गं ज्ञानं विविकल्पकपिहमृत ॥
तत्कुपसेतहृहृसेपानिपातिनः श्रुमि

हमद्गद ॥ ॥ तमज्ञानं नवतुं
सेप्रवमभयापहृतवतः ॥ ॥ अव
मपि दिक्षु हेरप्रवभयेवक्रिमिह
हृत्ते ॥ पप्रवभयारव भगृभतकुपं ॥
कषमश्रै तमरुवेतकुञवं श्रुतं ॥ प
तारकद ॥ ॥ पदमितुमिश्रं वेही
हेवम प्रवभायिनी ॥ षट्कञ्जुकविल
श्रुत्यपूतिरिश्वनतेयमस्त ॥ ॥ पीर
यतेतमतदमृतवभज्ञानसवृतभी ॥
गेहुतश्रुमतहे श्रेपेपक्षीयमपेक्षु
म ॥ ॥ पश्रेत्रैवमप्रवभायेयोगि
त्रेदेतुः षट्कञ्जुकेति ॥ षट्कञ्जुकैः ॥
कलकलान्नियतिवमाहुगविहव
सेनभगुरुः ॥ पपैवकिञ्चिस्वेवसमे

श्रीः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ग्रं
३ ग्रू
५८

सर्वविकल्पदत्तेवज्रवज्रगुरुहूपरम
र्ता ॥ येनधर्मज्ञानमुद्रीकारसिताप्र
त्येवधर्मधुर्वकोकः इति यज्ञापृतं ।
उत्ज्ञानीगत्ते उत्पन्ने प्रत्युत्पन्नौषधिः ।
सर्वविकल्पाद्द्रष्टव्यवज्रधरौ त्ववण्य
कल्पितं नतमेवभक्तिः ॥ उत्पत्तरस्य
वेषष्टधिशेदेशाक्तिनिहन्द ॥ ॥
तेद्रुज्ञानविक्तेतुविकल्पेभ्युलरा तू
वर्णा ॥ उत्सेवसेदकृष्णजं णगमीनत्रि
मात्रे ॥ ॥ नमोऽन्त्वभृमाल्पकमि
हर्दन्नं सिहास्मि ॥ ॥ विकल्प ध
ज्ञामित्तसुपिण्डपात्तद्विवर्तुसेदो ॥
उत्तान्तुडमैवतिमात्मुभगयुण्डः ॥
॥ ॥ उत्तानुतित्तिचिकल्पः उतमेवेतिमे

दशङ्खवेडहृषः ॥ यत्तृतं उत्तेद ॥ विक
ल्पयज्ञमित्तसुपिण्डपात्तद्विवर्तुसेदो ॥
विकल्पशीलमित्तसुहृदृन्नंसिवमट
यमा ॥ यष्टेत्तठवत्तुतुपयेलीवनृते सं
मयङ्गति ॥ ङस्मंशीप्रुत्रुडिज्ञोतमापु
प्रेवधूणत्रैविगमयति ॥ उत्तीहसितउ
उिमङ्गःककृतिष्टयेनयेहृः ॥ उतस्त्री
विमात्मत्रगुरुभगस्तुदेत्तेमहातृयः ॥
भमज्ञेयतत्तुधूमजककलिहस्मितापुग
धूङः ॥ ॥ नकतगमज्ञेयधूहत्रुंयह्रुम
जुगनेमासुप्रणहावगनकगपिहृ
सिहमङ्गद ॥ ॥ ज्ञेयधूमपंडहु
यम्रेकमङ्गकज्ञिवः ॥ नहृमकगमह्रपसु
धूककृत्वमुड्पिव ॥ ॥ ज्ञेयधू

पं
३
५५

ति
३ ञ
५५

नीलाम्बेनीललेवयुक्रमसभानडनडवम
द्धक्षुड॥डषान्द्विदिभचमेवभचान्दुतिम
ष्टत्रतुकमामिक्कद्विकु डीतिसचेपिभच
ङ्कुंष्टुः॥पडन्नाष्टयुक्रमसते भभयुक्रमसते
डतियुक्रमाद्धयुभाङ्मंलयेवभायुष्टते॥
डतिकाभेभ्रातडकृ ‥ पदवमितडकुपेनी
लामिः॥मिवाषवयुक्रमाद्धकःयुभाड॥
॥डमतिगिजष्टष्टष्टकेमकेमविकल्पि
पदडद्वडे॥पडन्नानीलामेल्लुयष्टय
क्रमभायद्वद्धाषवपाभज्ञडहुडे॥युक
माद्धकद्विवः॥पंगडद्वुमिति॥नवभेष्ट
मभडषाकुपेपियुक्रमभयुक्डषान्ठ
विष्टडीहमद्भद॥नदीहामि॥युक्रम
भयुके वापियुक्रमभनेनीलामिःश्वयं

युक्रमकुपात्वभद्युक्रमसते॥नहयुक
मकुषः युक्रमसतेमतिष्टडे॥नहन्निडः
युभमः श्वेडडेनमेवंवभुडवभयुष्टयुष्टडे॥
नदियुक्रमकुषडभयदयाष्टवभुभ
भुवेमितिठवः॥नवंमनकेवलंनील
मेल्लुयष्टठवयुक्रमभानद्धद्धुक्रम
द्धकः॥मिवयुद्धुपयडुमठवष्टपीद
द॥ ॥युवभुडापिठवनेमभक्क
रेकेगेमा॥यकुहुभद्धनेनेयंगीव
भुडमिहपि॥ ॥यतेनायुडषाठ
डहेयंकुपापिवक्रिगेणभुठवद्वडे॥
जेहुमिभ्रुकभमजविलदण्॥य
डाववप्रठवेपिवहुभानवद्धग
भानद्वेक्रपनठेणद्धकमिवभुठव

ग्रं
३ ङ्गु
५१

ल्लीविडंयाति उत्तुडे ॥ डेषामपिष
जेल्लीव भूाखवपामेस्तुः ॥ ॥
उदवभुतं नीलपीडस्नीतं भूकमरि
त्येकैं श्रुस्तुकुपे डवकुयमटेरं
वाकह्निद्विमेषः । नादिमुक्कृपि नीलं
नीलं पीतं वपीतं ॥ यामिदिमुक्कृरिपी
तं भूक्कीतं नीलंवा नील मिडिउक्कु
मिवनविह्कुभाप तेत ॥ चषयषैव
यकुकमतेउषैवउक्कुक्कृ निपतिवि
षितं भूतं ॥ उतिवनीलं पीतं पीतं व
नीलमिडिमेत ॥ त्वेउकृषं ष्टुक्कृ
विनकह्निमउभूकृमपिडुभूकम
तेषति ॥ भूकमत्वेषं कुपं तकुवि
यतस्कुपभूतिभुविरकुनंद्कल्लीवि

तं वितत्तयात ॥ येनवीलमिडिपीत
मिडामिडिमिकुडे ॥ भमनीलाकुपगे
नवियतकुपतभवलवुभाषः भूभा
ंमकूकूपटमेठवेत ॥ नमाषुषक्कृ
मिडिंभूटत्तुट पेवाभीयं भूकमकु
पवत ॥ भूकामषुमषुपरभूकमक
कुत ॥ डघाकुतेभूभैं भूकमेविमत्त
कुपतंविनावउषुक्कृनेवाभूकम
कुपठयायैं भूतिभुभ्दमिषुत ॥ नदि
भूकमउकेवाभेषुपरक्कृनैः भूतिभु
पकैंठवेत ॥ त्वेदिनीलमपिननील
मिकेपंरुवउघाषुत ॥ उभ्रुक्कृपर
भूकमउमिकुउषुभूदंपरामत्ता
क्कृल्लीवितकुडः भूकमेकुपगमनी

[illegible]

[illegible]

੫੭

ਰੰਙਸੰਪਰਾਪ੍ਰਸਾਗੂਕੁਸੰ॥ਤੇਤਿ ਭੁਮਿ
ਸਿਕੁਪ੍ਰਸਾਤਰਿਪ੍ਰਸੇਯੰਪਨਪ੍ਰਸਿਙ ਤ
ਪ੍ਰਸਾਨਸ੍ਰਤੇ॥ਪ੍ਰਸੇਯੰਸਵਿਠਿਵਪ੍ਰਕ
ਸੰਗੀਤਸਿਕ੍ਰਕਸਿਮਤੁਾਵਿਸੰਹ੍ਰੰਸਠਵਤਿ
ਤਸੇਵੰਕੁਸੰਵੰਪ੍ਰਸਵ੍ਹਦੇਤਪ੍ਰਸਾਨਸਪਤ੍ਰਿ
ਤ੍ਰ:ਸ੍ਰੁਤੰ॥ਸਹਤਪਤ੍ਰਿਮਸੋਪ੍ਰਥਤ੍ਰ:
ਸ੍ਰੁਪ੍ਰਕਸਕੁਸਵ੍ਰਵਪ੍ਰਕਸਤ੍ਰਿਤੇਤਪੀਮ
ਤੁਾਵਿਸਹ੍ਰਿਦੰਪ੍ਰਤ੍ਰਵਸਤਸਯਵ੍ਰਤੰ॥ਸ
ਸਯਕ੍ਰਿਪ੍ਰਸਾਨਪ੍ਰਸੇਯ:ਸ੍ਰੁਤੰ॥ਤਤਪਿਸ੍ਰ
ਪ੍ਰਸਿਤਿਤ੍ਰਿਯਾਯੰਪ੍ਰਸਤਪਰੇਨਕ੍ਰਤੰਤ
ਤਪ੍ਰਤ੍ਰੇਤੇਤ੍ਰਤਵਪ੍ਰਤੇਸ੍ਰੁਤੰ॥ਤਸ੍ਵਾਤਪ੍ਰ
ਸਾਨਸ੍ਰੁਪ੍ਰਥਤ੍ਰੇਕਸਿਤਪਪਤ੍ਰਿ:ਵਸੁ
ਠਵੰਤੇਪਸੇਸਾਸੇਸਨਤ੍ਰਿਠਤੇਪਸਤ੍ਰਪ੍ਰ
ਸਾਤਣਸਿਰਿਸ੍ਰਿਤੁਪਾਤ੍ਰਵਣਾ:ਸਵਕਸੁ

ਕਸੁਤਤਸੁਸਕ੍ਰਸਪ੍ਰਤੀਤੇ:ਸ੍ਵਦਤ੍ਰਾਹੁਵ
ਨੇਤਵਦਿਤਤ੍ਰਸੈਪ੍ਰਤੀਯਤੇਤਣਪੁਸੇਤ
ਤ੍ਰਿਪਸੋਪਸੋਵਿਤਤਿਸ੍ਰੁਤੇਪ੍ਰਸਾਨਤਪਯੇ
ਗਸ੍ਵਮਿਸਿਕੁਵ੍ਰਤ੍ਰਸਤਤੁਰੇਸੇਵਸ਼ਸਿਤ:
ਤਤਿਪ੍ਰਤਤ੍ਰਵਿਤਾਵਿਤ:॥ ॥ਤਕੇਵਲਸਤ੍ਰ
ਯਤ੍ਰਿਰੇਵਾਸ੍ਤ੍ਰਿਯਾਵਸਗਸੇਪੀਣਦ॥ ॥
ਕਸਿਕੇਤਤਾਵੇਤ੍ਰੰਦੇਤੁਵਸਵਿਵਾਲ੍ਹਿਤਸੀ
ਤਸ੍ਰਸੋਵਾਤਿਸੇਵਸ੍ਰੁਪਾਪੇਕਾਤਵਿਤ੍ਰਤੇ॥ ॥
ਪਾਸ੍ਰਤਸਪੇਕਵਤ੍ਰਤਤ੍ਰੇਯਸਤ:ਸ੍ਤ੍ਰਿਤ:॥
॥ ॥ਤਤਨਤਿਤਤ੍ਰਪ੍ਰਸਾਨਤਸ੍ਰਪਪ
ਤ੍ਰਪਯਗਯੇਠਵਤ੍ਰੈਤੇਤਸਾਵਸ੍ਰਵਸ
ਤਵਲ੍ਹਿਤਸੀ॥ਸ੍ਵਤਾਵਾਦਤਸ੍ਰੇਣਸਿਪ
ਤਸ੍ਰੁਪ੍ਰਸਾਨਸੋ:॥ਸ੍ਵਤਤਿਤ.ਪਾਤਪੇਕ
ਨਤ੍ਰਤੇ:॥ਨਵਸਸ੍ਰੁਪਾਤਪੇਕਵ੍ਰਣਥ

ने पूभा ष्ट्र व ङ्के मकनि उ घा पू ये घा
ष्ट पी इ हः ॥ ॥ व नं पे दा ष्ट व मि ये मि
म क ला न्द ति कृ भः ॥ वि य द्ध ने ति भ वि कु
त्रि हि वि ज्ञा न्द ति ज्ञि वः ॥ ॥ व मि न उ
ति श्रु उ त्तु श्रु वि मे ध ष्ट्र गे दे तुः । घ इ
॥ पि घ न पे व श्रृ ष्ठ क स क्त्र नः । मि न श्रृ दि
मे म क ल क ये ङ्के म हे म वि क ल्प द उ
॥ ष्ट्र म व ङ्के म ण न भ म हृ मि हु ज्ञे वि य उ
॥ ने ति ॥ ष उ न म भ न वं वि ण उ इ द ॥ वि
क्त्रि हि वि ज्ञा न्द ति गि ति वि क्तु गि ति मे म
व ङ्के म क्त इ द्ध उ ॥ नि हु उ ति क ल व ङ्के
म वि ग ल न उ ॥ वि ज्ञा न्द ति मि ति मि म
म मि म हू का न ये मि ड्डे ल्ला भ क ई उ ॥
न उ मे व पू प क्त्र य ति ॥ ॥ वि क्तु व

कृ वं गे नि हे न्द वा म हे त्तु व लि उः ॥
वि ज्ञा न्द ति ज्ञ ज्ञि म मि कु ड्डे मि कू व
न भ कः ॥ ॥ षु उ न वा ष्ट ग मे षु
न न कू प व भ मृ ति उ इ दृ ॥ ॥
उ ते भृ र न्द कु प ध्व भ कं मी कं तु न मि
के ॥ ॥ उ मे वा न्द ॥ ॥ कु व वं वि
गुं दे ष्टे तिः पि म ङ्के भ तु न व म ॥ गि कु र
म ष्ठि भं ठि न ध्व ज्ञि ण ज्ञि व उ मृ ते ॥ ॥
कृ वं न उ तु कु व न ण्डि धु यं ठे ग न र
कु प भ ॥ वि शु द म ङ्के ने प म न ज्ञि शु दि
ष्ट ल कृ त्तु उ धं म न कु दे कु ड्डि मि न न
कु प ड्डे धि उ तु ज्ञि ज्ञि म न भ भ कृ
ष्ठि द न हृ मी वि का ष्ट्रे व ॥ ष्टे ति
ड्डि कः क म श्रु गे ल क का ः ष्ट्रु उ उ

६८

ग्रे
३ ३
१०

कपत्रिठङ्हम्रिनमुँहेडीकुपद्वेनठि
णनडी ॥ पिकुडे ॥ मक्रिहपिनीभभा
लद्ल्ँ ॥ मद्विरम्रद्न ॥ मड्रुकोरेका
मकराद्न ॥ वमुविभिधल्ँरिक्नरम्र
म्रिमेठित्रुङतिउद्कं ॥ रिक्नुद्रुम्रभु
षाट्टेभमेदुकुवरविगुदे ॥ पद्गभुद्व्न
मिवेप्टेयः द्लठेमेनभाणकेमिति ॥
उषा ॥ उक्रनाद्धपेठेवः भुलभुभ्रपरे
मडः ॥ भवनः कुटंमर्ट्रेमङ्कुमेन्दजेम
उडःपवभी ॥ मद्धिहेतिभुषाभतुःका
ञकुवनाविमेति ॥ उषा ॥ हेभविगुद
विक्नुलुकुवनाम्रविठेम्रडः ॥ लक्षुठे
म्रःभुडःषेम्नेति ॥ षड्म ॥ पेपहठि
लषह्रेगाद्धडद्रेवविषेल्रिङः ॥ भिक्रि

क्रिरुगितिहपेनयपमुपहनिभु उभ
उद्नुमिठवडीहद ॥ ॥ येपम्रद्नक
उनिभुभुद्भवंमेभुपहडे ॥ हेभम्रिम
म्रविद्धनद्दहेमेवैनमंमयः ॥ ॥
यःभणकःयमुकुवनम्रेगद्नकडपं।
उद्वपङयंविभ्रिडःमडद्भवंउउकु
वनाम्रिकुपद्वेनवियडंमिठ्रिमेडीह
ङः ॥ उद्कं ॥ कुवदंमितुयेहभुवह
भवैककुपकभी ॥ कुवेनमद्वमेप्रेतिउ
भद्भहद्नम्रिकराञडंतुविगुदंय
भ्रम्रभुरेडी ॥ प्रवेजलबल्ँयम्रउद्न
यद्वभावभुयाडे ॥ मडेद्वमद्भमिठ्रि
भुलपदेभद्वनाद्धवेडी ॥ प्रवेजकुप
कहनाक्रिक्रिहहद्वनमंमयः ॥ हेति

नृ ना स्तु योगीन्द्रे योगनिद्रि भवाम्यहं
उच्चयन्तं उच्चैप्रेति योगिनाभणि केठवे
ते ॥ [illegible] नास्तु [illegible] भवग
ति ठवेते ॥ भगवान् योगेन योगी भव
[illegible] ते ॥ [illegible] मिनिक
[illegible] उच्च यऽह [illegible] ॥
मिवेकभयउयेकवधुवेमेपिमिवक्रु
कष्वपुकुपलन्ठेठवेमिहदद ॥ हेभमि
मह्य विरुनामि हामि ॥ हेभमीनभेषं
धर्म्म मह्यनं मह्यनं मह्य ॥ भेवेविम ज्ञः
उच्च कडयायद्वि [illegible] ॥
पाचिभज्ञैकभारमिवेकज्ञुपत्तुन्नव
[illegible] विधं मयं ठवेमिति वन्हज्ञः ॥
हेभमिध क्के ति पा० कुहेभमेः धक्क

विमिधुम्नवक्कि नमितिह्रेयर्णे ॥
नमाह्रकुवनामीनाभह्रन्मेविवाविउऽ
डीदहेभमीतिध्यज्ञर्णे ॥ नवयहयेवि
ष्वदतिभुक्कषभष्टषद्विणह्भेवेज्ञामि
हमह्यद ॥ ॥ विषादतिह्वे म्नेवभ्र
उम्नेउज्ञेपलवर्णे ॥ धनवक्किनउकु
म्फववक्केम्नलयेष्टम ॥ ॥ उपलव
र्णेभेवठवति ॥ धनैवविपिल्लाविम्र
भड्रदमिहेः ॥ नकेवलभेउह्वि प्रक
रुर्याभेवेपलवर्णं यावम्हपीहद ॥
धनवक्किनउकुम्फविहामि धवक्कम
लयेडति धवक्केमनंभक्केमणर्यि
कुवनामीनं लयेविवेकुलीम्भडयाभिह
ज्ञः विम्रभयवेहष्ट ष्ट वव कुपा नवप्ट

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ
३ ङ्र
१०

ध्रुह्केपिभानमध्रुहकविषयद्वक्किप्रि
ह्रुनध्रुडिभभादिडभो॥ सडम्रखनागुर
गांम्रुक्रेन॥ घडठवेविकल्पेडुविकल्पे
भानभःभम॥ भभनस्कंसडल्लुयभभ
नस्कुभकुपकभी॥ घडूद्वभैभिकभुड़
कघेम्लीकंकौहभै॥ ल्लुयभूचाड्रुने
वक्षः भक्लियैनेवभचवेहमिनाथ
धुं॥ सडक्रुखाउासवगुनुदड्भक्के ध्रुः
पमिकीद्धपाध्रुवमभैपविठडुः॥
उड्यभक्षः॥ यत्राभवकुकामिटये
नमिवभूभानभध्रुहकामिविषय
वेभक्रे॥ उड्भानभैनकवःभक्कल्प
कभडुभनउहभस्कल्पदुकद्वडि
कल्पः॥ डभूसाक्षभैभ्वज्ञिवेकुपमिडि

भनभुवस्क्रिवेनध्रुभाल्यडुमनध्रुभ
ल्यध्रुवतुडे॥ उवस्ठंठवेमिहस्किपि॥
मिवडुकघेम्लीकभूडे॥ मिभिकेदिप
गंडुल्लद्वउदूम्लीकयाम्लीकुयेल्यवेडे॥
घडासवगुगेल्लनंउहडुक्रेउडिमडुः
ध्रुम्रभभाभुे॥ घडेडि भैन्हकेक्रैध्रुम्रेउ
डुगभिडिरुगवक्रैध्रुडिभभाणदभी॥
उम्रेवन्द॥ ॥कुणहवठवेनेव
विकल्पेनादिभानभः॥ ॥नमद्रुडि
त्रक्षभःउेनध्रुम्रनिषेणविषयद्वेनये
क्षः नयंध्रुम्रडडि॥ दिमद्रुदेडे॥ य
डेवकुक्लम्लींविकल्पाडुकासवभा
नभैनठवेनठवडीहक्षः॥ डुभंदि
ध्रुघभविकल्पकभानभध्रुहकविषय

श्रीः

पं
३ ३
१०

द्वेभखण्डि॥ यदुक्तं ञ्च धूतविरः वृत्त
दोयमितिविकल्पश्रेयोयेन्नष्टः॥ भवि
कल्पकभत्वांखूद्ध विधवेधूभेन
कन्निद्धेधः॥ द्भूलवश्रुपुपदेवधूभ
ल्पद्वृपगमभतः॥ त्वंमिवेधिभान्नभ
गेमरेठयदेव॥ किंद्भमज्ञिवृत्त्वेति
विमेधः॥ यदुक्तं ङद्वेद्रगपूते॥ ऊण
द्दनठेवयद्विकल्पश्चद्देनेठवेड॥
वश्रुपुयेविकल्पेदपिडक्तश्रुयत्वेन
म॥ विकल्पेभत्नभःश्रुक्तः स्कूटमज्ञिल
यंगाडः॥ उज्ञडश्रुवटविकिन्नश्रुत्तभेमि
३ तंवल्लिडः॥ ऊत्नंमाक्केक्कियमन्नेधाकृत
द्रद्भमनेःत्रिय॥ मिवःअप्रेड्रमडछे
विक्राश्रेकणडङ्डति॥ यदेवश्रुत्वृ

भक्तंउक्त्ययापेकोपमरेल्लडङ्क्रैः५
तिल्लमिद्वतिठिःकूटद्वतः॥ कूटमिद्व
कं॥ यदूपेकयावेडमिति॥ यडङ्गमि वं
मज्ञिवेल्लडूङ्कमेमिकश्रुद्दीकयमी
द्वेपेल्लयडीति नकमिडूतिः॥ ॥ नवभ
वङ्कनउेल्लडेल्लडेठवडिनद्वंमेन विक
ल्पङ्गभवङ्कनजेल्लकुंन्नमङ्गेडिनियड
ठिमिवेमिद्वकु॥ यडश्रेनमिवःमज्ञि
वृत्ते विधयीदडेधि नवङ्कनउज्ञेम
गेठवठवनङ्कडडति भूत्रमेधभ
मङ्कद॥ ॥ नमाहनघडकृपिक्रुय
ऊवयघडकी॥ विकल्पेवडिऊङ्क
नमतिक्कमिनमिवी॥ ॥ विकल्पे
इतिविकल्पकपधूतवी यरहः उन

[illegible]

13

मः ॥ सकले भकलस्त्रे उ [illegible]

यः ॥ ॥ सकले भकलस्त्रे उ ॥ [illegible]

[illegible]

श्री
३ दु
१८

संप्रदायवसप्रहृत्तस्य समस्तदिसंप्रद
तकृतिः॥ कवलीकृतविश्वधातुतुसम
स्तुत्यकमिति॥ प्रतिपूर्यैनमनन्त॥
तज्ज्ञसतत्त्वहृद्देशमातृः। सणसाभस
णसस्तयान्तैविशेषवस्तुसानामिहतः॥
चतुर्वस्तुवशवेधुवान्स्नसहस्तृति
नियतकृपेस्मृतंयवशापिहृदिविध
स्मृतंतदेकत्रैनपारिस्फुनमितिया
वत्॥ सतयवस्त्रभूमपरिस्थितं॥
ततुगुणस्तुसाक्षनसत्त्वमितसत्त्वग
तैपितुयाऽहद॥ ॥सत्त्वैवण्ड
ठहूत्तः शिवसत्ययरिस्तुतः॥ ॥
यसनद्भसभङ्गरसयडहतः स्वंभाय
वयनस्वयेयठतितदेवावणतहं ठह

पिप्रमितं॥ कम्रा द्वैयाये येतदृवा
कृतैठवेमिहद॥ ॥पूकसयवश्ति
तज्ञंठवाठवामिसपृतः॥ भुगुवे
वतुतंज्ञैयंहद्भूवंविगतकत्ति॥ ॥
विविज्ञवशुकधितत्तपद्विष्णुनति
स्नलः॥ गुणगण्डवृत्तिमता सुष्टसवं
पूमिहूति॥ ॥सुतिमवृ स्वेपि
तेनठवाठवयैः ठवये चायसृष्टन
तुगले॥ तकवलनूपूक संसेवस्त्रैव
नभवज्ञवामिशुक्लैवश्मितं यज्ञं॥
तमृस्वपूज्ञनः सुनेश्रितैवतुतंज्ञैयं
गुणगण्डविधयेवृत्तिःज्ञतत्त्वतः॥
ठतसतूतद्वदंठवतृयशुठवाठव
येवाभूत्तीतिकलेसपृंतद्वयावक्तैस

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3
13

[illegible]

श्रीः

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ
३ कु
३२

देयेहुंदिनासेयमह्नुश्रीनिचवनाद॥

देयेपासेयकथाविदेश्चनच्छंभनउये
क्कलनं, ह्रीसभवेक्कद्वे॒वतुके क्कउथाभ्र
उत्तुर्वर्भ॥ हृवदना॒भठिन्चेपिभ्रत्तुमिठ
सेनभङ्गल्दः, पनिलावठभनाह्नहेस्व
भष्टष्तु तिदउच्छकलर्भ॥ उत्तुवा॒भत्तु
लाठत्तुकुउिभनेत्तुपिकतुहे, रेगात्तुकप्र
भष्तुक्तियाभयेदकृियागु॒भयह्न
गतिः॥ ॥ सुश्रउत्तुभदत्तुह्निव
किकिहत्तुमेधविशत्तुनेल्लाभनमेवभु
ह्रीस भवेक्कद्वे॒वतुनेक्क उथाभ्रुउत्तु
र्वं हृवदना॒मिहठिन्चेपिभ्रत्तुमिठ
सेनभङ्गल्दः ह्रीहेति मीहउिह्रीस
भीतिसेवः नमात्तु ह्रीसउितिक्तेनिनितुभि
६

हृद॥ देपेहुंदि॥ नकिक्तिडपासत्तुं
दडेवा॒गत्तुनामवीह्नः श्रुवतुहे॥
मठाबवश्वनह्न भुवमेवाहृदेउ नपत्तुः॥ ६
मुउाभ्रमाष्टुभ्रुउत्तुर्वमेवभवेक्कद्वे॒वतु
नेक्कविमि॒गीधुडा॥ विमि॒गीधिद्धि
कथंनभभवानेवाठिकृयादवतु उती
यमेवक्कठवति॥ उथामह्नः प्रवाप
कपाभभ्रह्नये॥ उनमेहुतिउतिविमि॒
गीधेउतिठवः॥ मेवमह्नश्रुभवभ्र
मठिन्चेपिभ्रत्तुमिठमेनादं उमंमर
भीति येपभष्टु भङ्गल्दः॥ उत्तुवदा॒
भपाभजिकेनकुपे॒म्हरा॒मिह
उः॥ उनमीहुतिहृवदाउीतिसेवः॥
निपिलष्टुध्रभाउ, ध्रुमेयात्तुनेनिपिलेमा

श्रीं
३ ३
३५

षयप्रवठभगंतकृ ङगेतेतमीह्रतिहे
ततेहेङपडीवृम्रेवः ॥ यङः भकलानि
मंल्गहृकुणलाठकूह्रतिभगमुतिक
कुहङयंङसपतुपुण्डिगिहेश्मु
तिः ॥ अचेदि निवेभतूभदेवग्नयपु
ह्वातत्तुवतिव दत्तापतयाभूनाले
तिभवः ॥ भभभुप्रल्कविभनलदन्
मत्रियाभूतङयभृभेद्दक्रिपेपुल्ः
मत्रिःपभृभे ॥ पेडेपमेवेविणःङङः
पभृगतिःविनेधानपाम्रनाडी ॥ भचरु
ह्लवेपुभाल्मेति ॥ भचऋःभवहृपक
ह्वतिभिहृतेतमीह्रतिल्नातिपुभाडी
तिभवः ाङमेवेपभेदगति ॥ ॥ ङह्रि
निचमनेभिवङनःसमुगुहठिमुतेभवः ॥ ॥

गुरुठिगितिवदग्दतिपाहेः अमुतङ
ति ॥ वर्गभेभेवः भमीह्रतिक्नीठतिपुहृदः
भूषिहृमिन ॥ पविदङगतिःभयभ्र
ह्वूवः ॥ ङभ्रङ्गभिवेगीङहतेनगु
तुनवल्लितङहृजः ॥ मभोहृमिनप
तिमिवमह्येत्रिचमनभद ॥ ॥
मभनोणनपलनपमनयेगह्नवप
पहृनते ॥ तेनपतिःनुयेभयाग्वमि
वेनमिवंकिभधितह ॥ ॥ मभंस
भुपमेभवि नागेहृनंगेणनंभभनिन्
विलयमह्र भूततुईवरवभुने ॥ प
लवंयपभ्रितभूविस्ववेमिहूभूनिय
तनियतुल्पाङपेवभूपङहृकेभग
दल्पमनकद्गुकद्रिल् ॥ भूतिदल

ह्र
+

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भाती ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
॥ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥
[illegible]

[illegible]

श्री:

[illegible]

कां॥ मङूल्ऽङेऽमतिमि ङुमपिङ्रिमि
रङेरवेङूमिङ्द॥ ॥रुभानिमङू
ङवीनंङङुङ्ङ्विङेऽङः॥भेमुङ्रफु
नङिङ्ङ्नयेगीङ्नङ्कल्पङङे॥ ॥
ङ्ङेङि॥प्रचङ्लेकल्लिङ्गङिविधपिल्लम
ङेङ्नी॥नकानवदिपानेङ्गः ङङु
ङ्गणकभाभानभानंनियङंभेङ्ङरेफु
मिङुमाभङङिभाङभुङंङुंभिङ्गि
नियङ्केङ॥ङङङं॥येनयेनदिङुपे
भणकङ्गङ्गोङ्गङ॥ङभुङङ्गयङंया
ङिमिङुभल्लिनिवेङ्गनङिङि॥ङीङ्रिमि
रङेरवधुङभभपल्लाङ्गायभङः ङ्गय
नवाणिगङुङ्गः॥चङ्गङिङुगुङ्गुविषु
रङयानवधुङिपङ्गेनभंवाङिङभी॥ ॥

ङमेवाद॥ ॥लकभुङ्गंविङ्गवभुङ्गु
ङुनीधुङिङङङ्गः॥भेमुङ्गवाङ्गिङंभंवि
ङ्गङ्गिमङ्गुभधाभङे॥ ॥ङ्गङीधुङिङ
भुङङ्गुमङ्गिः॥चङ्गङ्गिङुभी॥चङ्गाचङ
ङुङ्गभुङ्गेङुङ्गिनियङ्गकरावङ्गिनङ्ग
ङ्गिङभी॥लङङ्गेयविङ्गलुमनयाङि॥ ॥
पभुङ्गुङ्गुङ्गिङ्गिङ्गिषभंविङ्गुवीङ्गविङ्गिङ
ङ॥ङ्गनङ्गुल्लङ्गभेमिङ्गुङ्गुभाङ्गाधि
नङ्गुङः॥ ॥ङ्गनङ्गेवङ्गुभेल्लनिङुप
यङिधङ्गिङ्गिङ्गिल्ला॥ङङङङिभभनङु
नङङ्गुङः॥चङङङिभङ्गु॥चुङ्गुभाभीङवा
धनगनलवल्लङ्गुङे॥ ॥ङलङ्गधुयङंङ
ङुणनंधङ्गिङ्गुयेलकभी॥प्रल्लभिङ्गङि
ङुपे॥भंवङिभङ्गुलङ्गभपिल्ले किकले

ਤੰ
੩ ਤ੍ਰ
੭੭

ਕਿਕਰੋਮਿਨਤ੍ਰਿਣਾਦ੍ਯਾਸਝੁ ॥ ਧੇਸੇਟ੍ਹਸ਼ਿਨਾ
ਤਤ੍ਰਿਤਿ ਸੂਤ੍ਰੈਧੁਸਤ੍ਰਪ੍ਰਤ੍ਯਯਾਵਲ੍ਹਾ: ॥ ਤੰਅੰਵਿ
ਦੰਖਸ਼ਿਤੁਸ੍ਯੰ ਗੀਲ੍ਹਠਵੰਮਤ੍ਰੁਠਵੰ ॥ ਧਤ੍ਰ੍ਹੁ
ਈਕ੍ਰੁਤਮਤੀਨਤਿਤਸ੍ਯਤਚ੍ਹਦ੍ਹੋਲਧੂਸ ॥
ਖਸ਼ਿਤੁਝਕੁਸ੍ਯਮਾਸੀਠਵੇਲ੍ਹਨ੍ਯਮਤਸ਼ਿਤਆ ॥
ਧਤ੍ਰਗਮੁਤੈਤੇਸ੍ਯਨੇਂਤਦੂਣਾਨੰਧੂਟਤੇ ॥ ਧੇਸ
ਭੂਠਵਤੇਵਲ੍ਹਾਨਮਨਿਖੁਸ਼ਿਨੈਯਥਾ ॥ ਸੂਤ੍ਰੈ
ਧੁਸਤ੍ਰਪ੍ਰਤ੍ਯਯਾਸ੍ਤੁਕੇਸ਼੍ਵਿਕਲ੍ਪੈ:ਨਤਮਦ ॥ ਤੰ
ਗੀਲ੍ਹਠਵਮਾਵਾਟੰਅੰਵਿਸੰਅਕ੍ਰਟਯਾਤ੍ਰਿਤਆ ॥
ਖਸ਼ਿਤੁਨਨੰਸੈਨੇਸਾਪ੍ਰਤ੍ਯਯਧਤਗਮਿਤਿ ॥
ਅਕ੍ਰਲ੍ਦੇਪਿਵਿਕਲ੍ਪਟ੍ਹਕਿੰਤਅੇਵਨਪ੍ਰਯੇਤੇ ॥
ਧਸ੍ਯਤੇਪਮਿਤਿਂ ਕੀਨਮਿਤਿਂ ਅਧਿਰੈਲ੍ਹਾਵ
ਧਾ ॥ ਤੇਨਸ੍ਯਗੀਲ੍ਹਯਕ੍ਰੀਯਮਿਤੇਨਾਪ੍ਰਤ
ਯਤ੍ਰਿਯਾ ॥ ਤਾਵਦ੍ਯਮਕ੍ਰਲ੍ਦਸ੍ਯਲੋਕਿ

ਕਵੰਸਤ੍ਰੈਧੁਸ੍ਯਯਸ਼ਿਤਿ: ॥ ਯਸ੍ਯੁਤੰ ॥ ਵਖ
ਨਸ੍ਯਯਨੇਸਮੁਤਤਿ ॥ ਤਖਾਖਸ਼ੁਵਾਪ੍ਰਤ੍ਯਯੇ
ਵਗੈਗਿਤਿ ॥ ਨਵੰਪ੍ਰਵਟਸ਼ੀਨਾਅਧਿਗ੍ਰਦ੍ਹ
ਵਿਕਲ੍ਪਟ੍ਹੇਟਨੇਨਾਸ੍ਯਲੋਕਿਕਵੰਸ਼ਸਿਤਆ ॥
ਤਾਮਿਤਿਖਸ਼ਿਤੁਸ੍ਯੰਅੰਵਿਸੰ ॥ ਤਸੰਗੀਨਟ੍ਹਮ
ਮਿਦੇਮਾਸ਼ਿਤੁਸ੍ਯੰਟ੍ਹਧਾਰੰਵਿਠਲ੍ਹਯਤਿ ॥ ਧਸ੍ਯ
ਤੇਟ੍ਹਸ਼ਿਨਾ ॥ ਕੀਂਨ੍ਹਸ਼ਣਿਤਨ੍ਹਤ੍ਰੰ ॥ ਸਣਿਦੇਮੰਤ੍ਰ
ਨਾਖਸ਼ਿਤਿਤਿ ॥ ਠਲ੍ਹਵਦਮਕ੍ਰੈਨਧੂਟੈਕੰਮ
ਖਤ੍ਰੁ ॥ ਤੇਨੇਤਿਧਸ੍ਯਤਸ਼ਿਨਾਕ੍ਰੁਟ੍ਹਟਤੇਨ ॥
ਗੀਲ੍ਹਮਿਤਿਮਗੀਨਕਨਾਕ੍ਰੁਤੇਸੁਤ੍ਰਸੈਸ਼ਿ
ਤਾਸ਼ਿਣਾਤ੍ਰੁਤ੍ਰੁਤਆ ॥ ਨਨਾਮਿਤਿਖਸ਼ਿਤੁਸ੍ਯੰ
ਕ੍ਰਿਯਾ । ਨਤਸ਼ੇਵਧੂਸੇਯਾਤੁਸਪਾਕੇਪਤ੍ਰੈ
ਪਅੰਦਗਤਿ ॥ ॥ ਤਸ੍ਯਤ੍ਰਿਸ੍ਵੰਗੈਣਠੋ
ਵ: ਅਸ੍ਯਧਾਸ੍ਯਤੇ ॥ ਧਵਕ੍ਰੈਸਨਵਾਕ੍ਰਿਤੁੰਠੇ

३ ७३

गर्भे [illegible] ॥ ॥ प्रवक्ष्याम
नवाङ्कुरमिति ॥ प्रवक्ष्यामः [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

ग्रं
३ नृ
७२

ङमेवभवते॥ ॥येया ल्कंरेणङुमिद्दि
कमृठवन्हुङुया हुतिरिक्कमवटर्ङ॥ ङङु
त्रियङकगमिक्कुमिमेवङंवकुतिमर्यये
गतर्ङ॥गर्मृगर्मृविम्हुङे॥ वङेवेमक
ङभार्चु॥वेमकःअविमङ्कङंअविङुम
द्धमेङ्कङ्गेङमिमिंद्वग्हयंल्गतर्ङ॥ ङइमि
न्यिनगेणङमेनपाभुमाङैकंपङ्क्भय
वेनपवप्ठुकुङ्हङ्कः॥नङुम्बडेङ्कमेनङ्क
ङङ्गीपाम्भङङुःः॥ङङङगाङभङ्कि
भुवमेवङडवडि॥नर्मरेणेकङुपमृवं
भुङङुमुङपाढ़ेङ्गमेमृ॥कथगमृपा
ऊद्ढमिटमङ्खद॥ ॥ङेनविक्कित
ङमेनङुपार्षङभुषाङ्कनः॥भुयंभुषमृ
नक्रिणिःभङ्कृङ्कभुमप्रचगः॥ ॥

ङेर्गेणङ्कदेङुनावृमृमर्द्धिठङेय
मङ्केङिपेन॥नवक्किनङयाविाङेन
ङुपेल्भार्दभुकमपानननयमृङम
वम्रुयंभुषमृभुमाल्भुमिन्नेपेद्दाल्मुङमि
ङमृ॥विणिभुकङुभुयङुनाङ्कप्रचठवी
ङषाम्हुङ्कङङ्किङ्किभाणनभुठवेन
ठवडीङङुः॥नपन्नेगेणभुठवंभुङ्कङ
ङ्कुविणिविधयङभाप हुङे॥ङभुविणि
भुल्हुठकर्ङ॥यावमभुङुंदिविणेविध
यः नमभुङ्कःकममिमभुल्दिग्नि मु
मिमिक्किङयाभवङ्ख्गल्डङ॥नवविणि
त्रियेगठवनाङङ्कङयागमविणद्धभङे
भुङ्कभुनःकमृविणेविधयङनठङ्कङे॥
ल्ङमङ्कद॥ ॥विणित्रियेगभुंसम

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ॐ
३ तु
७७

एआमुयः तेन विकाद्रियाय वभन्दे तेः
नमभेविधिवमित्रिमक याञ्जयाल्क
ठवहड्रकेठेनःकाम्रिडुं ठवति॥ रक
ल्वाधिमिड्रेवेणङतिमिडुं॥ नवयङ्गेवं
उङ्कषमयंल्ठल्ठड्रविवमरग
हमङ्गद॥ ॥मेयमङ्गनमावङ्गुमिडे
ल्ठपमंगतः॥ तुवङनावङङ्गङमेव
मिङ्गवातुगः॥ ल्ठल्ठप्रेतमु
ड्रेङमुमुभ्रिमिड्रुड॥ ॥तुवङ्गेति॥
थ्वथ्वतुभगेपगड्रिकयाभयामडुमेङ्क
षवतुभठभेड्रडः॥ ल्ठपमिडिप
गमुकमुठवामिश्वडुपतामिङ्गडः॥ विश्व
निड्ल्ल ङ्कुदिपभेश्वतः मुषमेश्वहुति
मितुभेववित्रंपुकमयेतर्ते॥ चयेमामिभ

नः॥ उड् उडगमेधुमुते॥ ववतुंमय
मभुमयपामनमिकीढठवतिउम
श्वश्वउङ्गङ्गङ्गमदल्ल नतग्रहग्रदक
ङयाठमम तुडीमत्र मयति॥ श्वङ्गङ्
पठवामिमङ्गमेवाधि॥ मेदमल्लड
ह्रितुडविश्वगडदताङ्ककतुडदल्ल
गुदकीठवयाति॥ डमपंमङ्गमिमेम
तविधयउयामिहमडतिह्रमल्ल
गुह्रडमपमयाति॥ चडरवमेदमि
कतुडें ङ्कडुंमश्वङ्गविणते॥ डमिउ
गम्रकदतंङ्कपतं॥ चडरवमेधंल्ठ
ल्ठहमपमेमः॥ उमद॥ पुषडनावउ
ङ्गेति॥ रवमपिमङ्गपुकरवेमिहुल्ल
नहुमिहद॥ ल्ठहमिमिहुडति॥ डड

श्रीः

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥

[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ᠰ
३ ३
०१

६

अविक्षुतविकेट्नेनभेडेः ड्ढनाउभ ऊं भ
भेडेः॥ भ्न्वेन्डुउद्भंवंमगीनेद्ध्वडिकाभी॥
त्रेभेत्रमे ल्केवेमिंइंमडेकंममन्ह्रपेटद्र
ह्र॥ मुड्रिदनस्त्रीटभाणनिविडषगह्
भुनानि॥ देयाखननभणः उवेत्रमयेद्भंवन
नने॥ यावद्धभ भननमक्तिभिटद्रद्धउत्र
मीवमिनाभाणनिविडत्रनि पणिमया
नत्रमिडवभननानिकगिद्वत्रियाभुडे॥
डयाभेवयेगनेकद्वमिद्धत्रिवभुनेटेन
वभुनेट द्रद्धउत्रनंमिडियेलन्केटेगः
भूमिडिननयेः ड्ढनाडिकेः डडिपुद्र
भजं॥ येगेनाटः त्रियानत्रेडि॥ ॥ यनक
घंड्ढनमेवत्रियारुवेमिडिन्दुडेनेभप
द्मयडि॥ ॥ नोकेपिकिलगड्ढभीटे

३
ᠰ ६
१०

वभत्रः भ्द्गेवया॥ भामेदंमेसभवः
ड्ढाभ्रविमडीगडित्रिया॥ ॥ पत्र
मत्रिगड्ढभीडियाभ्द्गाभ्द्गाभट
त्रडद्विकाभेविडे॥ भेवमेदटविमडीवे
वभ्रविद्धत्रलनम्रमयडभायामयडीग
भनत्रियारुवडीडियुजभऊं॥ ड्ढनमेव
दिडत्रषेडि॥ गद्धदिगड्ढभीडिभ्द्ग
ययभंट कत्र, कानकद्वत्रकमगीन
याकृगुनटवमेनगमनत्रियंभन्द
डिः भुडे॥ डदेवेयमंदनाडि॥ ॥ डभ्द
त्रियाभियानभड्ढनमेवदिभाडडः॥
ड्ढनमेयदिभेवायपजंमेडडभ्हड
मी॥ ॥ डडडडिक्रियायः ड्ढनाद्र
कद्वडे॥ डेनमीकेयंभेमयत्रत्रंमेवंणभ

ॐ ३ ई ०३

६

नयपीडमिनद्रियकामभवननिमि
उद्भवजनेवंमगृजभजं ॥ ऊर्ध्वमेवैकक
ण्णमिति ॥ उमद ॥ ग्रजंतैउ कमद्भूउ
मिति ॥ नवग्रुउद्भुउद्वडिमिजिमुउ इमि
न ॥ ध्रुणद्भ्रुकनाडिमिजि मेवैनामन
कग्निमजीड्रजमिति डूनमेवविमेवकय
इनेनदेउ कलरुवे नयेदगृभ्गनः ॥ कम
भग्न कउडहमद्रुद ॥ ॥ मेवैदिर
मेवेवाद्रुः श्रुकुणभूधमंदिमः ॥ श्रुकुमे
माद्भ्रनःमेविवनद्भुउउयाभ्रनः ॥ ॥
द्रियाणिकःमजयमभुमंवियूपणिक
नदि ॥ नमेविद्रुभडयेगद्रुदिन्ग्र
विद्रुमण्उडी ॥ प्रिमिवनमाभूदिनक
न्नमिद्रुध्रिवडी ॥ मजीकंण्द्रकुमं

भगुयः कैपिकग्रुउ ॥ ॥ नग्रवकु
पमेवनमकिंयग्गमिभ्रुधवैमेवः भ्रु
मिद्दद ॥ ग्रकुपमिति ॥ उेनग्रग्रूंद्देनेकु
पंमेविद्विउउं उग्रूभ्रुधनंधाउंड्रकनं
भमाम्नमेवद्उडि ॥ यंपेउजेनवपजे
यः भ्रुनायंदेउकलरुनउजः मक
लदनिकानव नकद्भिकः यद्भ्रुउि ॥
यंउद्भ्रुमेवमेवद्भ्रुयाद्देउकलउमि
उ ॥ नमाभपूडि ॥ मद्दमिति मेविम
उिमिजमिद्दउजः ॥ ननद्भ्रनःमेविमउि
मिजेयमिद्रुपंनाग्नि ॥ उद्भुधमभ्रुमद्भु
उमयेगिद्देभ्रु मिद्दमद्रुद ॥ उद्दद
मि ॥ उमकउे नवपद्भ्रुमद्दः मजयः न
भ्रुगिद्दद्भुद्भु नाभाउ ॥ मद्भ्रुणद्भि उया

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

द्वि
३ तू
००१

ठिण्य गा दित भृत || वड्यापङ रा ठव
डीतियावर्त || नडपाल्पिव भुडः भेविद्धु
ठवः पिवारवेकैश्चि || ३क्कुषं भयंलियाटि
रारामद्दृङ्हवदंरेटघाङ्क्रियतेडट
मङ्कभपंभदरुङ्कैपमभयितुआद || ||
उभ्भ्रङ्के विद्धभेवैतङ्क्षुङ्क्ष्रूयतुरुभूलभी || वि
विमृभवंव्ह्रीषपदवथ्यतिमाक्रिष || ||
रतङ्ङ विल्हीतप्रचमितिधवगिदराया
भुभ || यवेतेंरह्नमाक्रिंवभष्ट भृतङ्ग्लोहै
वाविषकृतेति || ऽदङ्कङ्कग्रभेवभेवडीति
ङ्कग्रभेवयेः कदकारा ठवारववभुते
राभ्रीति || रावत्तुकुरारतिकदवतिठ
वतीति टायेवङ्कीरेंभहपिङ्कराप्रेक
रल्कदङ्कभेवेवभृङ्घिहविधुपाभरा

ङ्कंथंधभङ्गेरामङ्कवीयवउहद || ||
यतङ्गङ्कधंषभेवभुतेवेदमद्वभीदभ ||
रावद्वेकाराङ्क्कुदंतङ्कुटपिवभभृते || ||
ङ्कविंवेदिषवपटठविवीभक्रिगितिठ
वः || भतारवम || तेधं ङ्कवीविहयतुा
कठक्रिविभिभृते || भ्रियेदि ङ्कविंरेहत
भदंभमभभभियउति || ङ्कवीवङ्केवभ
भतमिहङ्किगीतभ || रवङ्कगभेवभेक
येहङ्किराङ्कग्रंभेवपेः कदकारारुठव
तक्रारवेतिकषंरायंधभङ्गउहद || ||
यते ङ्करवंभेवभृयाद्रेतुव्हलतेदिड ||
रभाभण्उतेरायंधभङ्गउति विङ्क्रि
उभी || || रतङ्गविल्हीतमगमितिवे
दभवरायभुभ || नतरुपभंदारवट

श्रीः

[illegible]

भूकवत्रपायभूद्वेविष्टेपिडरूपेयक्रु
डेपवनेनकाञ्जिङ्कुमउडिभिडूर्णं॥ नके
वल्नपक्तिश्रापवेडक्कुंकुंपावमगगमेडेभी
इद॥ ॥डमेडक्कुविणक्कंदिमाभूंत्रीत्र
चमामत॥ कुरूमिपवमेमेनमभवेमवि
निल्पे॥ ॥उद्दृष्टमेवशूकुंपण्डि॥
पकिञ्जिञ्जितुकष्टेवशुद्द्भुपुडिरेणडः॥
उद्दहडेपशुवेमःमाभुंवेमवुमीनिडः॥ ॥
उज्ञाग्गदिडेवभुवेडमैवविमितुयर्गो॥ ये
ममवेममाभ्रेडिमाजम्हेङठिणीयडे॥ ॥
उज्ञाकाम्हत्रवल्भुत्रपूकल्पनेः॥ ये
ठवेक्रूममवेमःमभूगाम्कडमूडे॥ ॥
ठद्दमपामाायममयः॥ यङ्पयेपया
क्तिनक्वगिङ्गरुवेममाभुंवेपापोपवश्

णहेवविसृतिगिडि॥ डमेवक्रूमेम्भ्रृ
मभ्रु॥ ॥ पकिञ्जिञ्जितुकष्टिडिविक
ल्पद्वपयेगिड॥ डयामगणकिडिङ्गेय
ममपडिवित्रिकुष्टडे॥ ॥डयाउडिवि
कल्पद्वपयेगिडया॥ विकल्पपयेगेदि
डमेवपपृञ्जयमयेङवःभ्रुिडःप्रल्भुम
तुडप्टदमिद्दभूञ्जेयभूवभूत्रुडद
पाममाङिकभूमिरुद्वेकुपभूममपडि
त्रभूडे॥ विकल्पदिपद्दभवलाक्रुडल्नृ
विकल्पद्वराविङ्पवकडयाविगलरु
भ्रूद्वल्गिायद्याययंभाडिमयाविक
ल्प्गननाक्रूमेमविकल्पद्दुकंभविडु
रुद्रुमहेडि॥ यङ्कृडि॥ भ्रूविविक्रुवि
कल्पष्टऊदरुंकनमञ्जमेदकुपवृद॥

[illegible] [illegible]
१०८

सवितर्क इति विमल[illegible] विकल्प[illegible]
[illegible] इति ॥ [illegible] ॥
[illegible] विकल्प [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] इति ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] विकल्प [illegible] ॥ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] इति ॥ [illegible]
[illegible] इति ॥ [illegible]

ग्रं ण्वमस्त्रोऽ ग्न पुठवउतिस्वः ॥ वतरव
३ ग्रु मत्तिरइक्षरतस्रुं छिपवा ॥ डयेऽमभवे
००५ मन्तुगगतद्वेरानिणप्रभवद्वतं ॥ उदप
स्त्रवगभप्रभंश्लीकरे वसुपग
भउति ॥ पल्यस्येन ग्रेन्तावतुवंवस्तु
भर्षियेल्यितुभद ॥ ॥ डेरायभइव
स्रउेविल्लिवंद्ये प्रे श्लिध तुपभ ॥ विरापिति
येरड्स्रस्रुरुयद्रिग्भ्रिडभी ॥ ॥
ग्री भउरभणीजचद्वुं विक्रतिंभूमवयरी ॥ पु
भुहूरुयवेस्रुलुतिमयेर्डरडरउभुउः ॥ ॥
विल्लिवंमिस्र इतुंपरभनिकंकुंप भउ
भकलकर गुप्भपुनवविमितुवस्वुह्रिः
भेवमिस्लयभस्रुत्तिभदिस्लवस्रुद ः
उइभुतिरिग्भ्रिडेगवीडस्रुठिनिवेमंगु

ीठवणपमयत्रेवं उरतमठवेरान
तुभणरडं विकृतिं वेणस्रुतपूणरडं
रमयस्रभरतुं रुजयुस्रविकल्दे परंद
भतुरवरतुपेकद्वत ॥ रफितिंभेध
भरउयधृसुहरुयंपरभेभ्रिरउइस्र
जेः ॥ हरुयेविभजःउभुनैम्रलुभवेटेभ्र
णद्वरुपग्भिभ्रविवंउभुतिमयःपरफभु
उइभुयंद्येश्लि धडं ॥ पुभुश्चपूकमउपपु
कमउेडहुरुः ॥ नरल्लियंडवस्र रुलन
भ्रडिणभस्रवति ॥ डरुमेविश्लिलस्रेवी
लस्लिरास्रवेमेत्रु ॥ कपेरेणंस्रुवभभवे
मडसुक्रुगिहद ॥ ॥ स्लिपंडिणमामि
म्रइंलकं मस्रुंमकल्लिडभी ॥ डडरतुउ
घभहंउडिठयेयभीम्रमः ॥ ॥ लस्रेर

१०१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

१००

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

प्रं
३ सु
०७१

न्तु भावज्ञानन्तरेषु भावयत ॥ ॥ तस्मै
नवि विकल्पकपराभ्रमः ॥ न विकल्पस्यै
व सर्वविकल्पविकल्पनां निगमः तस्मादिति तस्य
कार्ययोगात् ॥ तन्न युक्तं विकल्पसंवित्ति
रूपत्वमिष्टम् ॥ न तु तेषामध्यवसायते ॥ तत
श्च सविकल्पस्य विकल्पस्यैव स्वयं तत्व
मन्ते निरुपाद्यम् ॥ ॥ विकल्पस्यैव
मानस्य विकल्पमिति ज्ञानं ॥ अनुमानं च
मिथ्याविकल्पे न ज्ञानयुक्तं ॥ ॥ गृहीत
मिति भ्रान्तमनिश्चयस्य प्रत्यक्षः स्वरूपं ॥ गृ
हीतविकल्पेन रूपं तु प्रत्यक्षं ॥ ॥
चक्षुरादिविषयं स्वरूपं स्वलक्षणं
विषये तत्त्वमिति विकल्पकं गृहीतमेव
सत्स्वरूपं प्रत्यक्षविकल्पः प्रतिक्षिप्ती

तृती

ति तस्य गृहीतस्य रूपकस्य स्वरूपस्य सम
न्तात्प्रतीतिकथमनुपपत्तिरिति सि
द्धं प्रत्यक्षे ॥ प्रत्यक्षमिति हि विकल्पे
नानुगमिष्यते इति ॥ सिद्धमिति ॥ प्रणिगतं
प्रत्यगमिष्यते इति प्रत्यक्षान्तर्गमिष्यते ॥ प्रणिग
मिष्यते इत्यत्रः ॥ नत्वसिद्धं नाम गृहीत
मविकल्पः तत्र प्रत्यक्षस्य यद्बाधकत्व
मस्य स्वरूपकं नयत्पत्ते इति गृहीतं ग
ह्यमीदृशं प्रतिपत्तिक्रमं सत्तायां इदमन्
द ॥ गृहीतमिदमिति गृहीतमिति प्रत्य
क्षविकल्पं तदर्थं प्रत्यक्षगृहीतं ॥ एक
तः सर्वः प्रत्यक्षः यत्र तु गृह्यमीति प्रतिपत्
ते ॥ तत्र सविकल्पके कीकनादि नानि
विकल्पके कल्पनभूतलक्षितप्रत्यक्ष

ति

[illegible]

१०७

[illegible] विशे[illegible] रूपं विज्ञा[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] विवेकः [illegible] ॥ किं

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥

॥ ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ ॥

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible]

ॐ

७३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्रीः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

०१२

०११

नुतमिति कैनाप्ययं प्रसङ्गः ॥ सर्वं द्रव्य
कालिकं प्रमेयत्वे [illegible]
प्रमेयत्वमिति प्रसङ्गः [illegible]
[illegible] वलीति ॥ ॥ यद्देवं [illegible]
किं प्रतिपद्यमिदं ॥ ॥ उक्तं [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

प्रत्यक्षस्यानुमानत्वप्रसिद्धेन प्र
त्यक्षत्वाद्धि शक्तिमत्त्वेप्रमेयाम
र्थेनाणिमेन्द्रेत्यप्रत्यक्षतीह
तः ॥ नन्वेकत्वमपिनचाविणञ्चयोगिने
प्रत्यक्षेणैव प्रतीतिर्ग्राह्याः सम्भव
ति । तद्धि तत्त्वेतिकिमेतत्तद्भिन्नमर्थं
द्रव्यमेतत्वेव भंकल्पयति ॥ ॥ तुत्सित
नत्वात्सर्वाविद्धिणिप्रत्यक्षं ॥ ॥
उक्तं प्रत्यक्षं ॥ बस्तुप्रभावविकल्पस
म्बन्धेनाविषयीकरोतिमेत्तं सतु
सत्त्विपित्वमिद्धंविरोधेनेह तत्त्वं तत्त्वतः
प्रत्यक्षः यदि नामेन्द्रियेकीविविकल्प
कप्रतीतिरविकल्पभाविकामपिवस्तु
विकल्पनेनियतत्तद्व्यविषयद्वेनके

ननु भवन्मते नविषयीकृतं ॥ तत्त्व
नियतैकतत्त्वतं वस्तुसम्भवेनन्यद्धिस्तु
नवस्तुसम्भवेत्तु नम्र एकान्तेनाभिपि
तत्त्विद्वपवस्तुनरनायत्व विषयः संवि
देयत्वं तात्त्वं विषयस्य तत्त्वतः ॥ सत्त्व
वनेत्वेषुः तेद्द हेतविहतः ॥ यद्यपि
सम्बन्धस्तत्त्वाद्धि स्मिभवेन्नर्थकः प्र
त्युत्पत्तिः तस्मात् वैके कल्पापितैर्भूःक
कल्पनाः स्वेयुः तेनप्रेक्षवमात्तं ॥ यद्यपि
नैकेण द्वयेव प्रत्यक्ष प्रतिपत्तिनियत
त्वदवस्तुसम्भवे नैवतद्धि स्वभावत्वे
नद्वितात्पर्य तत्त्वमेकत्वमत्त्ववस्तुभेदा
नतुमत्त्ववपि पामे द्वारवस्तुमत्ति ॥
तत्त्वज्ञनके वलंयवत्तं पिठं यत्वमानस

[illegible]

०९३

ॐ
उ तु
०३७

न्दि क म ध ध ह त्म: ॥ ओं दह तु कें य ड सु ग्र ह तु
ति यें गृ वि कल्प क र्म ॥ ॥ ओं दे ति मा
ष्ठ व व अ रे ड ग्र हि ति वि कल्प ड ॥ मु ति
प के दि ति कु पि ड श्व धु प क दि कु पं ल
डे ष्ट दि ति ते ड ग्र भु भु डं कि प्रि ग्र ठि दि
ड सि ति रु व: ॥ वि कल्प दि ह्म लो प भु
व भु व ठ र्भे ड व ष्ट वि कल्प ध न ह तु ले ल्ले
ति भू धु वि कल्प भि डि: ॥ ध इ उ इ मि ल
व ण तु ड इ ष्ट ड मे व मि व ड प ति भु ड ॥
ड ग्र द ॥ ॥ ष वि कल्प ध ध तु ठे ये
न ये न ध ध वि म ड ॥ ण भ ग्र मि व तु न ड
न ड न मि वी ठ वे ड ॥ ॥ ग इ मे वे द द
ग ति ॥ ॥ नि ग्र ले हु ग्र ये प गु ग्र
कुं त्र स ठ भि ति ॥ भू क से ड ग्र पे ते व अं वि

दु ग मि व तु ड ॥ ॥ ओं द प ल नि ग्र ले
हु ग्र ये प्र ल कं वि भ ग्र तु ट ड प व पू गु
भ प ग्र न भू द धुं ल व ग्र ग कु मि ल व
ग्र सु तु तु ग प व यं म धु दि सि ठ ग भु द
ठ भ तु नि धु क से न कुं मं म तु ते व प य
ते व अं वि दु ग मि व तु ड ॥ ड ग्र व स भु दि
ह ग्र: ॥ ड ग्र वे प अं द ग ति ॥ ॥ न वे
भ रे ग्र म तुं म भ ग्र प य मि ठ वि दु: ॥
स ग्र व ष्टे भ भ वे से ध भ टे तु नि व भि
न: ॥ ॥ भ ठ तु नि क तु भ म भ वि
ग्र म कि म कि थ ग्र तु क ग्र भ वं म: पं
वि ग्र अं कं भ ड मि ट ह ड ग्र ड ह प
व य भ व ड प य व ग्र ग्र भ व प य
भु र्म ॥ भु भ टे तु नि व भि न ड ड ॥ सु मि स

गु
३ तु
०३०

ग्रीयते ॥ तद्वैविकल्पं दृष्टिवद्धट्ट
तुष्कर ^ तुये ^ पत्ताग्निहमयः ॥ विक
ल्पस्मैदिधूयः कैतुङ्ग श्चैवदिश्वात्तू
भी ॥ तत्त्विद्र ^ मैतद्रूयाणीवमेवटेवभ
ञभतत्तुद ॥ ॥ पदिभवेत्तभक्ल्प
प्रवभायद्भूले ^ यः ॥ पात्तभ्रभयेपर्थ
पितम्सैतुविविकल्पकः ॥ ॥ उदधि
श्चद्मदद्धश्रगृद ^ कष्टवमठिमदृश
द्रुमेवखल्लीयाघि त मृतद्र्षतयामह
ल्पृ ॥ तस्रेवमार्त्तपेदेवनिद्विहृदमे
वभवद्रक्षितः ॥ भवं यँ भयुत्रवस्तितभि
हेवमद्भयद्युत्रौ वैकल्पिकः भूद्धयत
कृ + मृतिमयहृपिविभल्प वंठेमविधुद्व
भयद्रक उपायभुषापितेधं विकल्प

वाभहभरलेवयषयधंभातिमय
विकल्प ^ ववाम्रतेभ्रुटतभात्र्भाक
क्षवाद्मविविकल्पकः साभ्रवभ्रभवेम
भूमिहृत्तः ॥ यद्वस्तृति ॥ पवत्तुवाद्भिकै
त्रैश्चिद्भरवेपानेश्वरे ॥ धृषिविशृवि
कल्पभृत्तदङ्कभ्रवभद्भमेहृद्रुपर
त्रु ॥ ततभ्रुटतैमेफवतद्दःपृथृपगिवे
दित ॥ मेविस्फुहोतितिविभलाभ्रुविक म
ल्पश्चतुपतमिति ॥ पतमवदिमाञ्जुटे
पार्यत्रैपार्येपायद्वभ्रञ्जभ ॥ नवृभ्रुस्प
भ्रवभ्रैवायत्रैपनतभ्रुगभिविविकल्प कृ +
कः भूद्धयः क्षितत्तितिकिंवाभतद्रमान्नु
वचेमत्रुपवेंयरुभूपेयतमेपस्रिहृत
उद्धमहृद ॥ ॥ धंमेदेवाविकल्प

ॐ
उ
०३३
ग्र

कुडमनमसाध्वीपर्ण॥ वप्रल्कमडु
सेनकुडमपयेविकल्पग॥ ॥सेह
विकल्पकुः यडकुं उदूंमनयमेवरे
रुवःपसेरपीतियहेवंतुहुश्किभ्रपमे
मामियत्रेनेटद॥ पनभ्रलेतिमज्ञ
मिउभूदिमकुः मज्ञमिडेनवज्ञन
त्रियेरुवडःडतिकुंषंउडभूनरनकु
वःमरान्नभुवकंरुवेमितिरुवः॥प
आवउभ्रमेमकुमेरकुभूपयेप्रल
हुडेल्लमेमसमध्वीमनविकल्प्रप्रल
ल्लवकडुवहमालिनीरुवमिहकः॥
डेनमज्ञमिउल्लवकडुवहपदभुनप
मध्रंषुकुभूद्दहिल्लपनडभवपेप
मयेयमभमेमामियत्रुडतिपिहुंडके

वभूनडेये९यति॥ ॥नवंवैकल्पि
कीकुमिन्नाज्ञीकडुवेमेने॥ यदूंध्रुरु
पनंवृंमज्ञेमःप्रवरीतिडः॥ ॥उम
मज्ञेमनमद्दवविलापनपामूदु॥ माप
वेध्रुउमरुमकालिमिमज्ञिनज्जुल॥
॥ ॥उदमविकल्पद्दनकुनिमज्ञेप
येयरुपिनिविकल्पपदयाध्रुटेल्ल
नत्रियेडषाधिमकुमेरकुकुमज्ञमि
डेनवेहदभूमेमामियत्रेनवसुरुहं
मेनमवभूडषमज्ञेमविलापनमन
उयमभर्मज्ञीकुनज्जुलविकल्पग॥य
मियमपयत्रेनडीधिडमकुःभूमडे
कडुवरुवमरुमकेगति॥ पनभूमडे
कडुपडयाध्रुडीहकः॥ ननमकुभूमा

ग्रं
३ चु
१३३

श्रवाद्रिकन्दविकल्पकुमद्वेनमिकृ
केमः विकल्पेककुमकृनाग्ग्वकमभु
कथंकेमःश्रुमिट्टमकुंभूरुत्रुउमेरेवक
मगठिणडे॥ ॥नवैकल्दिकीकिंणी
ग्गवेनामिुडडूग॥ श्चैपयाडुकुन्न
गगदिडक्वृंद्वकुपयडी॥ ॥डड्डहु
मिनभगणिः॥श्चेकूज्ञगमयःप्रग्गवे
कृज्ञागमिगकृमवलभूवैकल्दिकीवृ
ह्र + ज्ञिरभूर्मग्जेपनभुइदिडकुनेडिवि
नेषः॥श्वडाग्वमेडभैवेडिभावणग्ग
मिुननभाइभेडकर्ण॥नवडकिभज्ञाग
ग्गभइेग्गवगदिडवभडकागिछि
गभीडद॥ ॥उज्ञागमद्धेनेड्ड्गर
कुडुनडमगमयः॥मकुपायेनभकुड

केमठेमममकिडा॥ ॥गकृडुनेडि
गकुवममागमव्हीदिनहडेडडिडवः
डेनेज्ञगेगदिडमिडिविगुदेमत्रयिड
हेः॥गडडकुज्ञगकागमयःनभ
जीडिकेमेकनिभुवमधागी॥श्वदिग
हेज्ञागमिगदिडकुमकेमभुषिकल्प ह्र +
झकवज्ञकेमश्रुपिभठवडकुडयभप
वभी॥उमद॥केदठेमेदिमकिडडिपु
ग्गवेपुनकेमश्रेपभगणहंडमद॥ ॥
भगवाभष्ठकेमपुरुपायडदग्ग
वः विकल्पनिज्ञयाद्वेवपदडेनिचि
कल्पकः॥ ॥पदडेनिचिकल्पक
डहेनाश्रुपिमाष्ठवागवविमूलडि
गिडिमज्ञिडं॥ननभमपिवामयभु

बुद्धं पुण्डवर्णे [illegible] सप्तद्वीपमावि
[illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥
[illegible]
[illegible] ॥
॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥

निविकल्पकस्वं श्रुति ॥
...विकल्प...

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] विकल्प [illegible]
[illegible] निर्विकल्पकाय [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥
[illegible] ॥
[illegible] विकल्प [illegible] ॥
॥ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] विकल्प [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

कविधृति ॥ ॥ ऐपयपञ्चकुञ्ज्ञगरक्र
पयमदकुडडहक: ॥ पडास्वडङम
डेपयेतिभूगुजगी ॥ भमकुकद्भविधुगड
तिमीकामि विमिश्वद्वियाकलापःठवी
वञ्जुभ ॥ पतुरुविधृडीहनेमनेडमति
गिकुभपयपतुमभत्रीह, वेमितमी ॥
ननभरुडीयेमरुडीयभृतुडवेटत्रौ
नक्रिडाखेति ॥ कथंमीकामेः क्रियाय
भुवङ्कानडुङ्कवभृमिहमकूद ॥ ॥
क्रियाद्गिनमविङ्कनानाहकुङ्कमी
कुडमी ॥ उपयवमडःभृभुंडकुयेति
भुगेमितमी ॥ ॥ डमितिविङ्कमी ॥
भुगेतिर्मतिनाहाक्रियानमेहमैनव
ङ्कनेमेकेककाभमिहामि, ना ङ्का

॥ कुकिगिति डवकुतिङ्कडमी ॥ डक्रिंभ
॥ ठिकाभैकमडपगठिकाभमी ॥
॥ भृठिकाभद्वमडभृकिंमीकाभमहंक
मंड्रवंभैमकडवी ॥ पमहमेत्रमगठिक
गिडनमीकंविनंयेगेभुिमाङ्कगडह
हृङ्कङ्कनाठिगमानाठिकेनेनाभुति
किंकभृभैमकंभृडी ॥ भहमेद्धगपेक
कुनेवभृकुनिमीकाकमगपमेडे:प
गठिकाभद्वमकाभमडुकदंगक
डेति ॥ भदङ्कैपडहमकूद ॥ ॥
महङ्कंनेमभृकुकेककाभभृपमिक्ति
डभी ॥ येडेदिकल्पनमभृद्वपगमिवि
कुडय: ॥ ॥ कल्पनमहभिनिव
भुडेहकेनभंविडङकुङ्गहडमङ्कड

श्री

तं ३ मु ०३३ यथुष्क्राक्षीहहिधुयः॥ तत्रमवाद ॥ ॥
उक्तेकन्दाविकदेमयमेतंष्क्रमणच्छ्दृकः॥
गुदष्कडवमेकक्ष्मभिडुभक्त्राह्मठपडे॥ ॥
गुदयगुवाहपेवयाभ्रपमकल्दायायायद्दे
धियेवमिभ्रुष्णगुदणवयमैडमेकीक
दभ्रुवष्कांक्षेपमहरूअविठगाहवे
न नैकण्यअंविड्रुपवयाविभजवंडयट्ठये
गुदष्कडवतेहृष्णणवणिकेक्षु
हि ष्ठ्यवथुतथाक्कुडधुश्विडेभजाह्मपमे
ह्मदभ्रुभ्रुउपडह्रजः॥ डमभक्तेंठवडि
यथमक्षदिभ्रुंअविठेकङ्गदेवयाअज
भुवमयमेकणवभुभुयमधुकसेक
ह्रयमिष्कडवीति॥ डकड्रेअवंद्युधुंडये
वेडुपमण्यविठगाडः॥ अठवेडेमक

भुवग्निवःधमकरष्णमिडि॥ यड
मवाद॥ ॥ याकवभ्रदिभजुंवेयु
दश्चयडुकीडुडः॥ भ्रष्टुवअयमेह्रडि
भ्रुङ्गणष्मुडेउउः॥ ॥ डडमवभ्रुभ
ज्ञवंह्लणेडमयतीह्मः॥ यह्मगमाहं
अमिंडुडवातेकेयडेभ्रुतिः॥ ॥
भत्राकद्विभ्रुभ्रुमिष्टमिकुपःडवीडि
डवरूडुदेतेकष्टवभुष्करणडी॥
डडडडि डगडभ्रुडुणगडुवडुदिभजु
वमवलभ्रुअंविठेकड्रमेकमकये॥
गुदगिडि॥ यडुडुमिवेभ्रष्टडेउडुणव
भ्रुङ्गणभ्रष्टडेउडि॥ भ्रुपमविठगभ्रु
कल्पमिकवचककवित्रिहियः॥ यडामक
द॥ डडमवेहमिडिगयवीडि॥ उडडे॥ ड

[illegible]

[illegible]

[illegible]

०१०

[illegible]

ष्टित: कामस्य च विशेषणमनव
गमयत्यद्ज्ञितैर्येषेतुं हृत्तादिरूप
हृणद्कारैर्भेतु निवार्धेतस्य तृतागादि
विशेषाविज्ञयाठवाठयं सावलाद्धि
हेतोवियतत्कुपतयावत्तमसमटैताद्वताभु
त्कुपेषु विशिष्टस्य प्रष प्रतीतिरूपं स
य: ॥ शब्दतुत्रुतशेषुपशटाह्वैण्डम्रुपि
गमेवत्रुकैटत्र्व सीनं विशेषणत्वेनस
नणिगमेसहृदियतत्ते ॥ त्मान्द ॥ त्रोहमि
मिहमिकर्थिं विज्ञद्भेषवठण्डवब्दो मि
शिणद्धिनिहत्र: ॥ नाहूषेति ॥ सचाहनावि
ज्ञितणद्धिष विज्ञितैवेतियावती ॥ तत
त्रैवविठन्त्मज्ञयति ॥ ॥ तत्त्वद्धि
तिश्रुपिभिर्ज्ञेतत्संसप्तविज्ञित: ॥ संसये

स्तित्वात्प्रुमिण्डवेच्छाटितत्तक: ।
॥ ॥ तत्वद्धिमितिपयाभज्ञाद्वसंपय:
श्रुतपाप्रुनवेवहमिपयाभज्ञात्तराप
दोपाभेवेषाभेवविशेषणम्स्यभच्छिट
तदूब्रुणु: ॥ ततम किमिदं सापेदया
याततसंसप्तणधिमतत्त्रगृदस्य तृभुति
ज्ञित: ॥ नतानियतेठयं सवलद्धीविम
नंसंसयपतिसंसयपृलदर्शी ॥ तत्
मेभेक: कज्ञितसेविज्ञितभृत्रुतंतवेह
द ॥ संसपभ्रुहमि ॥ षाभितुं सनाभितं स
उत्सितत्वात्प्रुमिदर्थं ॥ विशेषणम्स्य
तेमत्त्रुटितेनद्रुद्धित पुद्धवत्कुपंपयप्रु
भतपपहृदिपत्रुभज्ञाप्रुयेगपिण्डयेर
विज्ञितत्कुहत्रु टनेनकृतुंततक वातु

[illegible]
[illegible]
१२३

त्रैधं ण्मस्त्वमिति सचेषामेवण्डस्त्व
सत्रिपिटकवद्वात्रियत्तण्डस्ववल
सुवर्णस्यं सप्तः संसयः ॥ किमितिं सैद्धन्त
त्रिपिटकं काण्डिण्यकादेवतिष्ठतः
तस्य ॥ ॥ किमिति तत्र सद्धर्ते वाणि
केत्रपूर्वकमते ॥ ॥ पाणिकउं हेतसुत्र
उत्तं ॥ तद्धि किमुत्र सुपानीयतउं हस्तद्
द ॥ ॥ किंतुत्वत्तस्तिद्धकं वस्त्वं वाति
[illegible] ॥ ॥ पयमितिकिं सद्धः सं
सयसुसमसप्तवं चो[illegible] पिसप्तत्वं सति यु
[illegible] तउं हसु सप्त त्वसपिसचपितु सद ॥
॥ ॥ [illegible] वाधर्मं वेति [illegible] सप्तत्वपसं
सयः ॥ [illegible] यः [illegible] तेधपित्रियेत्तद्ध
[illegible] ॥ ॥ [illegible] तिप्रचवद्धवे

ग्रि +
ल +

धमेवण्डस्त्व सत्त्व [illegible] तत्कुपेत्कु
पत्त्वकृतउं ॥ पतः [illegible] मिति य
तपरसन्त हष तपपतृ [illegible] य सास
[illegible] मिवत्तिंतं ण्डस्त्व सेधपित्र
या [illegible] पृहपः तउयहेपं तद्धहपत
सम्के [illegible] त्रियतम् [illegible] पित्रय
[illegible] तदेसन्त्रापेचविकल्प
[illegible] वेमिद्द सञ्चूद ॥ ॥ तुस
[illegible] नीयेप्तेकुल् [illegible] वसम्भूतः ॥
संसयः किमितिंसे विकल्प [illegible] त्वष
[illegible] ॥ ॥ तुस [illegible] नीयं [illegible]
[illegible] यत्तेकुं [illegible]
[illegible] किं [illegible] मिविसेषकुपतयप
पिष्ठ [illegible] तउयं [illegible] पः किमितिंस

ॐ
ङ त्रु
१२२

भस्थेरुत्तुं समयात्व ॥ श्रु ग वाभ्रखे
वेहेइदि किं श्रुङ क्किं भ्रपङ हेवड
त्रिकर्थं समयाऊः ॥ यद्धि पत्मेडङ्कि मि
त्रिकेवल्ले कि मं मे मचे ष मेवविमेप
एन्द ञ्जमत्र ज्ञातिङकुपद्वंत्रएष्टव
मद्गु मतिपडविमेखण द्भ नवगभ
वि+ रुभग्रुमिंद्वमिङ्गि मेषः ॥ विकल्दे भु
नत्रीदियवयेन्द रुये विद्धे विद्भि डद्व
मति कच्छ डद्भ पद्वभ ॥ डरन्द ॥ विक
ल्पभुक्षेपभ्र डुडि । चट्घेडि भुम
न्नतीयपेड्व येगभि द्वीदियवये विमे
षण्म न्कनविद्धयाड ॥ र्वबविणज्ञ
येभंभ्यः माभु भुवड्डेनविभि डडंरुल
उडकुञभ्रयभ ॥ मात्ंदि विल्लयक्ष

विल्लयज्ञ भ्र यः भद्धि गुरवङे भुवतुडे
भयेपलद्धात्व भंमयविषयड भुडिप
हडे नत्रलबु: भंमयगुम भुभद्भ एन्द
द्व हपिकेनमिङं मयानैनभद्धि गुजः
भुडिप हडे उरु डभ्येपलन्ध भुडे ॥ उद्भु
डिपमल भेवम भुद्व ङडि भेपि ध्वकाल्ल
वक्क भुभुवडे तिमिङुडं यायड ॥ डत्रि
ल्पय यमभुल हप ल्लभ्रमाभुभ्रद्वि
ण भुवत्रिन्द द्वैमेलकल्लपगीकोडि नाम
ण येनपम उलिणवभद्वैमेद्धेमः ॥ उभ्र
मभ्रषभभवस्र भपरुलकदभवद्धि
भुश्नलक ल्लपका नपभडेः ॥ प उद्वेद्धेमं द्भु+
विनाल्लकल्लपगीका द्भमाभुभुल्लयनमे गी+

ॐ
ड ३
०२५

वसभटडङुटभूपि॥ डड्‌ह्नवंतवेके
नैवमभुपु॰यकामिहुःकिमङंडिुयमि
ङिमेडे॥ मैडद्धगन्दगनथकुड्यैवड्डेथं
तिमिडुडठिपनडे॥ अंमयिडावहुङः
केनमिरुठिणीयभमनःमत्रुलैह्नमगमि
ड्रेवनिल्हीयडडडि॥ चडावमम्बुकुप
हमेप्रेवंममभुभुवडुवरझटिडडुभुम
ड्डकेनभमनेवकुपेकाड्डवमभुडि
भुडिभमनयिडुभद॥ ॥ डेकवझ
टिडडुडठवभुमनमेवयडे॥ भुवंअम
ङजेह्रमःभुत्रह्नमयावम॥ ॥ डेन
भुवेडे वंहटयेवनझटिडडुवेनठ
वभूवभुभड्भूभुवभंयड्डु वनंभावे
हुर्

दे ह्निमःभुत्रःअंमयह्नेडि॥ डहअंमय
भुडवह्नेवंडुपह्नंभमनडुगमेंवेडमी॥ डह्नि
ममनझटिडह्नेनैववभुनःभुवनंडुपं
नभणियभङुन्हेवह्नजनमठिपनडु॥
भुत्रेचेवंनभूमटपंदिनिल्हयाड्डवेभ
डिवमनभभुविमेयेनभूडे॥ डडअंममे
डडे॥ भुत्रःभुवडुडेडडि डत्रिल्हयाडु
मेनिल्हेडह्नः॥ भुत्रडडिभुभुवभंडडु
डुमेववडुभद॥ ॥ डयाझटिड
कारुठवभुभवड्डन॥ भुभनडीभअंपि
ङिःभुह्नीमिह्नडड्डगड॥ ॥ ङदड
यनयेपनभडुअडीअंविमेवमचमिडि
भुह्नभुडिवडुडुपगुडमिह्नाहडु्हेन
ह्नभूडवह्नवपपङिमिडि॥ डयाप्रेवेडेर ५

ॐ ३ सू ०२१

[illegible]

[illegible]

ऽमित्र: ॥ प्रवैस्तपञ्चेवत्रैसुत्र्मण
हेतुहेत्ति ॥ उष, सूत्रीमभूतिवत्री
मत्र्यंमेवीहवाश्रुतेति ॥ तत्रगुणान्नि
ष्पैपैकृदांतेन: मत्तदपलहत्यु
ति ॥ किंतमनयेत्रैणकुपत्रमिदद
ऽपक्षेहे मि ॥ पतङ्गितिकतहेतभुव:
गेणनवदि ॥ त्वप्नत्रूमंदत्रूत्रूद्व नि
उत्तुहिद्दमिवत्रमाहमयतीतिहव:
उत्पद ॥ ॥ गैणैदिरैणकुपत्रमत्त
त्रनादतीः कृितः ॥ गदिनतमयते
वहृत्नमशबविमेषत: ॥ ॥ गैणत्र्
पामेत्रैगेदिगैणनहिपाकतुक्तनद
ऽदैणकुपवत्रमत्तुष्कित त्रैनाहतीभु
तुत्पवल्वेत्रुगनतूपेकतयानिविल

ऽमैवमानहविमेषकुपत्रैनगदिवि
हैमैनावहमयहेवेतिवहेतत्र: ॥ ३३
मानहभूकिंनमगदिवहनमिहद ॥
॥ ॥ भूतुमाशविमेसंमाकत्रयेगूष्ट
कष्टमिति ॥ एतद्दष्टशद्धिमाहमद्धि
मंमयाद्धिक ॥ ॥ भूतूमाशःभलतू
हैवेल्लमयिष्टमाशयेमेषंमापुत्रनिचि
मेषंदिमाहैतवेत्रूमविषाशवदिह
हैतपत्र्हत्ममिनानविहैनकत्रैत्रप
उत्त्येगृषतम्नोद्धहेवपि ॥ मवमव
गतद्वत्रुत्रूत्रुप नापानत्रुगुशभूकष्ट
मित्रियतभृगेहैमेवदूष्टुगदिमवहम
नदूष्टिमाहमिहेः ॥ मेवमातद्ध
एितद्धभूषाकुपवत्र्हमयहेति ॥ विमेष

[illegible]

०२७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ष्टुतयाक्तुमातृदृष्टपृष्ठवान्तं ॥ उद्दष
ङ्कमेष पङ्कर भूपुत्रजलदत्तदकलभूमाभ्
तं भूतिविद्विपति ॥ ॥ विकल्पभूत्वाम
त्तदृरुं सितुं समदिङ्कुकः ॥ वभुतेया
उषाद्वेत भच्छिद्रैरुदैस मंश्लिष्ट ॥ उच्चैव
मं विज्ञिवृतेयावत भूतावात्मा तथा ॥ ॥
विकल्पेन तद्रूपेण नमः भूमाहृ भामान्द्रष्टा ।
भद्रवन्तुरूपेकया भूत्वाहा त्तंवत्तम
यिधुमात्र सदरकम्पयेभामान्द्रदृति
तिज्ञः भूमात्तः मंत्तेषाण्यकवन्नदमि
उतभूयेत्तं मावसेषां भुतत्तृदृष्टवेत
मदेतेत्तन्नीलेयवत्तृष्टैवं विणप्रभामान्द्रष्टतु
तेवन्तु तम्भु षाद्वेन भूत्वात्मा त्तवणिविसे
षाविभिधु विसेषमदिष्कृवेनयाम

ष्ठिभुष्टउद्दमसपाठिण्वं तद्दसयावत
भकन्द्रनीयभृविसेषभृभूकृमात्तउत
वत्तुसैवेद्दमावभोमंविज्ञिवत्तेनुभत्तुते
उष्ठजः ॥ उद्ददेत्तः ॥ ॥ षडेहकल्पक
ल्पितभहृत्तेभवकात्विकर्मा ॥ ॥ दिम
ष्ठैवान्तलङ्कृते, नत्र ऋद्धित्तेद्दभृषवत्तु
षद्वेभतिलवत्त भूभामान्द्रविसेषयेतु
येगपिभृषवत्कंक्तिलक्ष्ठंकिंवालवत्तउद
उक्विक ठवाश्वंनियमभृदिष्टमहू
द ॥ ॥ भूहृभ भृषामंषिठः भृहृ
धुंसेसमंहति, ॥ पत्नहृभत्वेणढेभामेव
ल्लवत्त भूहृत्ते ॥ ॥ उदविसेषभाभा
हृविषयभाष्ठिमंहत्तिभपीऊंविल्लक
भृवदन्तविरासितिउद्दमहृभा

वि
३ हु
०४३

नभूविसेधंमथुविणेयतया लक्षणं
बाम्हं ॥ अंहियमान्यभूमसमानंसथु
त्रहमानतया लक्षणं पिहत्वेवविवेकः ॥
नवहुयेहुयथुनहेमलवान्यहुंकंपरी
बान्यपिहत्भा ॥ तहमविरमानविपिहृ
हवान्हगीवा॥विसुप्तिरेवथुम्हिहम
कंभरवाम्हगहंभूतिविपति ॥ ॥
तच्चिसुप्तितिकुयेंमन्तच्छिसंअंदावि
हुनाः ॥ परीवाक भूतेभङुनमितक
न्दितववणि ॥ ॥ नवतहतहभूह
वाम्हिक्रुमेन्यथहत्तीमथुमावैपगीतुप
तया ॥ भूद्वमभक्कन्ययीविमवमाक्ति
रेववित्कृतउहुतो ॥ तक्वबभिदे
हेसाद्भवव्वपिहुतुभूमिहुं दमानुत्रा

सम्प्रहितमिहसहूद ॥ ॥ भूत्रा
प्रुहूषमथुत्रानवैपगीसेतितउमाः ॥
पन्यपाथम्हेवीसमानदृपानुद्धिक ॥ ॥
नवभन्हुभाथुमानुम्हवै हेमान्मितह
यथुपसहुहुम्हितुपत्रमितिकिमिम
मिहसहूद ॥ ॥ उक्कम्मिमाक्तिदि
तयमिम्हेवनिगहते ॥ ॥ प्रवेश
अभूकः ॥ ॥ नतहुन्यितान्वाय्यं
हवदवः पूतयुते ॥ ॥ सकलत्र
स्वयंपुहुपुहुद्धहवदन्नंविद्धित्
वेववतनेतउतिहवः तहत्रो ॥ तकु
महत्रांकित्रावतमाप्यमितेविहै ॥
समनैविमलैवाणिहवदौवकुयते ॥
उतिनकेवलमेथानेवंकुपवंयावद्
॥

१५८

भूमिष्ठं तु ॥ सिद्धासिद्धासिद्धासिद्धान्तु [illegible]

[illegible] विकल्पः ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] प्रकीर्त्तितः ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] प्रकीर्त्तितः ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] प्रकीर्त्तितः ॥ [illegible]

[illegible] ॥

[illegible] ॥

[illegible] प्रकीर्त्तितः ॥

[illegible] ॥ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥

[illegible] शिवः [illegible] शिवः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रीः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

०५१ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ८ ॥
[illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ५ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥
[illegible] ॥
[illegible] ॥
[illegible] ॥
[illegible] ॥

[illegible] ॥ ०१
[illegible] ॥
[illegible] ॥
॥ ०० ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ०३ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ०३ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

प्र
३ ३
७०.

नकेवलमेवंयावन्तस्तत्पृष्ठभागदृष्टं
स्तिष्ठदभ्युदितस्यमेवकमेवेङ्गहेतुर्भा॥
उदयकृत्यकदक्षत्ते:भगवन्तमुत्तुरभ्युदि
॥ भा ॥ मतस्फिकर्मगणिरजुगीतिर्यथाप
स्त्रीरक्षितेसंस्कृतेनामदृष्टान्तेनरूपेण्भवम
भिक्षुकेषपिवहूम्मिदृष्टौभवंभूतेस्मि
मवन्दमनस्मितिपर्येषयुद्धिमार्गवेपये।

जु
+

मभूमाविकल्पकमेवकुपनिहत्स्वयम॥
उच्चेहस्तवेभक्तिस्वेत॥ भगवमूहेवामक
कृतेविक्षुमेविक्षिकत्तुपवेभतिभूतं॥ उदय
वम्टन्नेवोपिस्त्रमविषुमिसुक्षिरिमुवेनभ
भष्टविभेषकृद्याक्तिविणष्टवमकत्ते
विष्णुमपन्नमन्नेदयकृपमकृदृष्टिवकु
भक्वहंभविष्यत्वतिकत्तुस्केकुपवभूत॥ ।

श्री:

उदृढेतत्तुमेयत्रयेपकेप:॥ मकृभूमावि
कल्पकमेवकुपुनिहिभूषभेविकल्पस्वेव
भिक्षुरउत्कृष्टमन्दयामूर्तमवर्षेगेत
केणीयउदितिदम्यत्तुतंतहुर्म॥ पदस्त्र
मुक्तविदष्टनभुक्तदेववविभूतिलिङ्यपउत्त
माश्चेवमक्तुमभूतिश्चवेक्षितिदत्तदत्तुमके॥
उक्तावमभावदेगमूद्रमिदृढेषंयेगा
दृश्यमतपयेगिवेडक्तभूमभूतुविदृक्त
यात्मेह्यवकमायीयविकल्पमूढिप्य
तिव्रकृल्पिदभूतस्मेत्ताम्भुताव
विकल्पमेक्षमद्रमस्त्वतुंविष्णुनेमय
मुदमयात्वममद्रक्तंपरेवीदंदषा
भवात्वमवभूदृंरूपृदृढात्वम॥मे
विश्चिनेस्नुदवात्रिषेणविपिदुल्लवं ७

१२०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रीः

[illegible]

ठे
३ क्रू
१११

ऽउमध॥ हेधकलक्त दतियाक्लेति॥ प्र
यातसाजिपत्ताङ्गकीदमा॥ उद्दद॥ गनि
उभलाउति॥ गलिंत भलमक्षु नेयेषेभंत
उघाविणः॥ पउआवम॥ पमामिमव
उगमवाभगूक्षिम जंमये ऽयउ॥ उप
रुदपामवाङ्कक मङ्कदीदक्षुउद्दजः
पउाम्ब मिवमङ्क वमयः॥ पामूमा
हेकङ्कह्मनमालिनउत्तियधउ॥ पउ
नषमगुम्वमुङ्किकंजेपमामिनउद्दउ
मणिगमय॥ उमवपामणिकालि
उङ्कउा॥ यउः धुविमामिणिक्रिय
उउत्तियन्नहृति॥ गेरोक्लकूमिषउव
म मिमतुमयविम्येउ॥ प्रहमेदमिव
क्लीकेविम्वेवउाम्कउति॥ उदक्रि

कमाक्रिकउाभूभंमयहयेनभाम्म
नमनभुउतंमवियिङ्कभिकेनैवक्रेकेन
उद्धदउधाम्धयेदपमंदविपक्लेकि
नेउीहभूगदुकामूमैलीतिक्लेकट्ट्र
घमविनाक्रिकउमूथभंदगति॥ ॥
उनुनेकेशिनवामिउभूहविक्षु नम
उुहेमैजामधूकदनपदवाक्रिकेभि
ऊमाधिः॥ ॥ ॥ चीमङ्गगघाम
कार्ड्ऽदत्रिनेऽयमनवहरुभंमीभङ्ग
ङ्गणाक्वंपगिमयंविहभमचाम्व
भि॥ क्लीकन्नुउनेक्रिवाक्लमणिगमं
मचगमाकामधिहाणुउभुघाक्रिके
ऽयाराघेनाङ्कवर्णयंवर्णः॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

[illegible]
३ ३
०७१

॥ ॥ इति श्रीम[illegible]
[illegible]
[illegible] प्रथमाह्निकम् ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ नम[illegible] शिवाय [illegible]
[illegible] शिवाय शिवाय [illegible] शिवाय [illegible]
वायै नमः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
[illegible] लिख्यते [illegible] ॥ ॥
ॐ श्रीगुरवे [illegible] नमः
ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ इति
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ० ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

ॐ ति
३ ८ १
मिहमि॥उमिहउपयंपभुकमद्र कं
रूपं॥ किंवूमडति॥नदिउमणिकोरे
मभुमेवधुवतिव्रहवेमिति हवः॥उकूं॥
उकूङरूमूलभुमिति यमकिभूयेवे॥
मेभागावुनिर्णियमिति डीढुकविकउमः॥
नरउउज्जेरेमतवमेिदिक्र मुणिकावक॥
तिहमवहउउज्जमुनमुनणिकारउजः॥
उनवयभवाग्र विनेरवदधुजेमाभु क
मिहमकुपः॥पुनरवर्नापरुमजिप
३८ उद्दु हेसं किष्ट्रवकूमः॥डेमं हेवभप य
मउरेमवकमनमिदधूमेयधुधिहवे
मिहेवमजुमी॥यडवृति॥नवनिमल
मिउः पंमेमरूदमुवपयकडति॥ मव
यहेवं उकू लपवकविहपयंमम्भ

भक्तिरूपम्॥येनेधमेमूलवमूभापमे
वेपेयभुधिरूक्किरूपयमभयिधि
रहेनपयेविहमजूद॥ ॥यज्ञउ
वेमितं उकुपंविङ्कमुविके रमे॥मुहव
नवयउहमदिमंविमयःरुकूः॥ ॥
यज्ञकुवं नपायमि हेमिनविङनमूकूप
भजपी॥दक्रिहेःपमेम्रामेवमूउकूंङि
यमी॥मापवदिमूमूउकूमवतिनिहूमउ
रउमूमियेनाङ्गिमिदूलपमेमूदनाडू
नाधुमूःभुमवभामेवउकुरुपयवेमि
ह्मूरुमयेउ॥नवेकापववविमिकूलकुपे
लनमूनडीतिकिमेउमिहमजूद॥म
वीहमितिहीमिउ उहधमू उधूमूधु
कुपः॥ पउनपववि कुहपकः॥उकूहे

३ ३
प
७१७

नाभाइनराहृद्भियाष्टिधृगल्कुडेकुमगु।
दक्षनाकुषायडंदलडमिदमकृद॥
यवनषयेवहूभुमस्तुनेवधिकम्नर॥भ
भवभुक्तापष्ट्रीडेईषापवतक्रुषभी॥ ॥
यवानिविडिनानमभृंपश्निभुः भवडडिरहृ
पुडुनेव्डभ्रापष्ट्रीडिअविमणीनभिक्नि
दृडुः॥ यष्टपेवुदियभुभिक्निवडवडि॥
भकधंडभृषायडंयायाष्टिडिडवुः॥पड
नवद॥ ॥ईशवणनानिनवंकुनभ
णक्नेवणनेविभिनभुयंडडा॥प्रल्केवणने
नदिनाभयडुंनप्रल्भहेडिमभहडा
वभी॥ ॥ईदेयष्टभूभनेनभुयभेवड
वष्टवणडहृभिडियाभननीयभी॥किंप्र
ल्केकुपेडड, प्रल्केडडूडवकुल्केकुपेवणनेर

पडुभी॥ यवणनेयल्लुपुडिनियडवके
पविधयविभुभेकमूभडग्नुदेमभुणनेभी॥
नकिञ्चिडुलभाणडुंभभडभी॥डम्भा
भक्रुवेशुहेपदडक्नमवणनशुपियड
नाभुषायडवभुद्भकवाडु, डमनुपूष्टि
डभुडवनाष्टिहिदद॥ ॥डेनावणने
भुल्भुडवनाष्टेयेनेपधि॥ हेनवीयेक
षक्नेरडवेङ्कनदायाडा॥ ॥हेनवी
यडडिप्रल्केयेभननेनाभुषायेनानुय
यंपांडकुभनभगत्रिडकुडिकिभपूडुदद
द॥ ॥येपुभाकदपायेनडकुयंपूवि
विक्नुडे॥कुनेडेभुदभेविहेसैंहेडंणिक्नुवे
ल्दः॥ ॥डदडंयपंनेकेडवडुडेभ
वडधैकदेक्निडे॥येदयायः पुडकुडेनने ३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

ऊँ
३ दू
घ
०१३

पीकाश्पी॥ विमलरंमाश्नमामधू......
भाईकडूवैनाविकल्पु हवनेकेनामिरुपि
हपरुमेवहपमेधूं मह्हड्उडिनैधमज्ञि
गिइडूक्रपी॥ नमिडडूज्ञिभाइमाश्भ
पिक्वगसेनापिमिडुमिडि॥ म्रीठनमिपं
मंवरुपडि॥ ॥नमत्रमामडू रुभ
त्रमडेत्रेठयेज्ञिडभ॥ डविज्ञैपादिमा
वभ्रुकिमयुडरुत्रडुनमी॥ ॥वपमिडु
वठभीदियेठवेनाक्लिरुडूक॥ भावप
एवल्लेकेमंमुघानैधठैावः॥ ॥लेके
दिभएडीयहएडुडंड॥ यःकम्ब्रडैय
मिडिपुंगेवडुहिनुवठभडे॥ ठवभृाप
भमिडुछिणीयडे। यघाभएडडिभपन
त्रग्डाएडपूडुपः मूकमः भुनानडुह्व

निडुगैनडघाःमदभडुडुवेनावक्ष्वित्र
वनैवंडुगमुड्कुझ हदपदवैनठवडीडि॥
पावुरुवंडहूमङ्कुझ हवपदरैठवमिह
मङूद॥ ॥वभहेमापूकमवंनडुह
भूपंयेगिड॥ ॥भूकमाएवभवठक
नंभाभडेइभडुनाभूकमवभकिद्रि
हूभहवभपडे॥ यघाममविपापेमेः॥ घड
एवम्डनुझहपिकर्णंभिमधुडुहियाय
भपपुडं॥ नकमिमधुडुहिपंकेडीडि
पावडी॥ भूकमःभनत्रडवेहद॥ ॥
विद्रुभूपीविडंभहेयूकमकडुकन्नमः॥ ॥
विद्रुभूमेडनामेडनाडूनःभवभूपनमाज्ञि
कंपीविडंफ्राडुईकवेनानभूपाकंनदि हुद+
डनावनाकिद्रिमपीमंभूकमडेडंहडूडं॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्रीः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्रीः

[illegible]

ॐ
३ गु
प
०३०

सप्तगीमरद्वमकथुपसवीकुरुमिहृडुः॥
पडझ॥सपरडुभैविडहुडमिविअपु
नगयपुमे॥येमडेवडिडसुरवपांदड
दईडहृद॥ ॥डुडियेकुरुभंविडि
पगपउपविडिडः॥पडडपवेकुरु
भुहृपायानियडिडः॥ ॥ऽरुडेनगु
डुपसेमपडिनकुरुडसेकहुलाडमपा
सिडभूंदिद,यांभंविडिभुभूयःपरमउ
भूचभवडुवेनभू,गंडेनपविडिडकरे
सविकाकलड्डपनयनेनपारमद्भुपग
डुडमपमिडः॥पडारवडेडुडिनिडेन
रहेनाडुडेन्सवाहृपयेनानियडिडा,
भुतिगिपेकाभेडुवडुडरपेथपुलुरनडम
भङ्गरपरडयाअचणडिमायिविमिडि

कभाडुच डुगिगजेविमूडाभ्डुरभवभु
नेनैवलडुडड्मभाभु डुहृगं॥डरडं॥
यथाक्ति डभुपेवभगगरझसघाडुगमी॥
कुवलंमिडिकभनविकरापिकरसृदीडि
डघा॥डुगमाडिविमुंडुयेगीभगमेड
वेमिडि॥डघाडुपयेनुपरःकमिडुउड
वगगडड॥डभेवारभोहेगीमूडुयभ
भापीडवेमिडि॥डडम्नकिमिहृद॥ ॥
डेधामिलंभपडडिमचंडेडवभकलमी॥
भूःकुलेवभंविडिडेवामिविलापिडम॥
डेधभरपयभभवेसमानलिदं,सेदहुपेडया
भुविडभभरभपीलंभचंडवभकलंतडु
नेवेमिडभिलंमहुवधुडिगिश्डिडमी॥सम
डिडमिलंमेहृमिनीहृपुलुभंविडभयडये

श्री ३ तृ व ०३४

[illegible] ॥ पद्धं ॥ यथा [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
यकल्प [illegible] ॥ [illegible]
द ॥ ॥ [illegible]
विकल्पनाः ॥ निर्विकल्प [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
विकल्पना ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ न केवलमेव [illegible] विक
ल्प [illegible] किं [illegible]
ल्पनाः ॥ न किञ्चित् [illegible] ॥
[illegible] विकल्पना [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
द ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] किञ्चित् [illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] किञ्चित् [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

ङ
३ सू
च
०३७

पियल्लोककतुह माङ्गा॥ ॥मयलोकः
मङ्गमितः धुमाङ्ग वन श्रुवस्थिला थेमल्ले
ङ्वि हमिनीह्लोकिकङ्क वमलये
गाऋङ्ग ङ्ग प्रल्हमरतयाकिभपिभमत्रेन
त्रिङ्गि माङ्ग चभाङ्गीयं कतुहं॥ पत्तेतवुकङ्ग
लीयङ्केनाकलयं॥ भुऋमिङ्गुयऋमिङ्गेनभा
पुतङहमिनीह॥ यमुङ्गाजरवनमिङ्गुम्भुक
थंपरङ्गं पूहपिकंम्मनमुल्ल भपिभुवात्तिं॥
॥पदयतेपरिङ्गपिवातङ्गदुवत्तिन्नकिप्रि
ङ्गुदासितिरवः॥ यःभगवपयभमाविधु
ङ्कऋवपिल्लीवतनिपिलरङ्गुङ्गतरवङ्गवी
ठवेरुगवऋड्वयङ्गुँपपङ्गु भुङ्गनिव
तरुहङ्वेनाकङ्ग्लीयमुङ्गाठवाङ्गुल्लोनट
ङ्गापतयाभुङ्गङ्गेववितिमूतनुभ्रुयाँतानिपि

लम्हलोकभ्युगुङ्गकतुहमवम्हकदंभ्वा
ङ्गहठिङ्गपनेतङ्गङ्गमवेंङ्गथभप
मिङ्गनेनङ्गलोकतयुदरवामुकतुह
ङहङ्गः॥ नहमुङ्गनिमुथमथुह व
क्विप्रिङ्गगलीयहभभुतितिठवः॥ पङ्गी
ङं॥ यभुङ्गङ्गतितेवम्हऋङ्गङ्गऋथुद्मभपवः॥
प्रुङ्गङ्गेवमभतुधुम्तुम्हकदंनविहतङ
ति॥ ननेपतुप्तिकतुहंङ्गिधुल्लोकेधुकि
ङ्गन॥ नानवधुमवधुहंधूवतुबंसक य+
म्हलिंतुतिसाङ्गिविणङ्गपरावशुद॥
चविङ्गलभंविङ्गिविङ्गलभंविङ्गङ्ग॥ तङ्
विङ्गलभंविङ्गः॥ धूतितवाविङ्गपकन
लनेवाभूवयुदकाङ्गविमिहद॥
डंयेपम्हतुतङ्गधुहङ्गेलभललभंविङ्गः॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਪੰਨ ੩ ਤੁ ਖ ੦੩੭

[illegible] ॥ [illegible]

॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible]

॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥

॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ॥ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ੭ ॥ ੮ ॥

[illegible]

[illegible]

॥ [illegible]

ॐ
३ तु
स
०७०

ॐ नमः शिवा स्वपरमशिवाय अशिव
यशिवरूपय अरूपशिवाय शिवायैं नमः ॥
श्रीमत्श्रीगुरवे भाभृतीकुपायदाय
नमैनमः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
षषमाभ्रुवेपायंशिद्धिडेउहूषा ॥

श्रीः

ॐनमश्रिधाश्रद्देमदमत्केर्नमैनमः ॥
ॐपाद्भुक्वपिविविमिदुंतिपिलमिॐवसूव
मकद्भुल्गतौ ॥ मद्‌ नगणवरूद्धतिवि
पामसुरः
ठभयत्रिल्यडेविल्यः ॥ ॥ उरूली
भउपायंतुद्द्‌ रूमभूतुमाजेंवेपायं
ड्रिडीयार्वेनधूल्गिगशिडुंभूउिल्नीडे ॥
षवपंगेपयिकंधूल्गिगहडेपरूमरउ
रमैवमदेमिडुःल्डि ॥ ॥ ॥ ॥
नउयशिनामपंगेपयशूभूत्रउरमैवकु
पं ॥ उडुवेंश्वगडउद्वक्रिमजश्रिरूमा
फ्रिकउरमारहूडैलुहूद ॥ ॥ ॥
ॐधूकमभड्डयंद्दुत्रुंठेरवीयंपांमदः ॥
उड्डश्चडउडूडभाडमणिकंधूविविसूडे ॥ यःधू
कमःअविस्त्रभूधूफमवंधूयष्ठुडि ॥ ॥

श्री ३ गु मा ७०

धूकमभन्नुसिति धूणत्राती ॥ नदि निचि
भन्नः धूकमः भभभ्रुपपहृतेवा ॥ धूँतूमि
हृतपयाक्रिके ॥ पणिकमिति कल्पनाभ
हून्न नदिवर्भुतेवभुनः ॥ भुठवे डिमिमृ
तु उपाह्नेवाभगुठवाभवनभूडा ॥ भुउहूम
कमनक्रियाकतु, कमी ॥ उभूमेयतुंतुय
हृठितुवेवभूक्कयाभवंधूकमयडीति ॥
उरुवाद ॥ यः धूकमउति ॥ यः पत्नूधूक
मनक्रियायंकतु ॥ भभधूभहङ्ग, वतुभ
हृक्रिणेयः धूकमः ॥ भभचभूधूभङ्ग धूभे
याह्नेविश्वभूधूकमह्नं धूकमभभनतंधू
पक्कति ॥ ध्वाह्नैहेनवठभपडीहउः ॥
नदिविश्वनाभधूकमभनवतुस्मडितिङ्क
किष्विह्न ऋवति ॥ उम्मतिके हृपगमेहि

भूधूकमभनह्वयेगाकुनमेवनभू
तुरूद ॥ ॥ नमउहृतिवेहत्रिविश्व
भह्ववठभते ॥ ॥ वभह्न हृपगमे
ननयहेवंउद्धिधूकमभवधूकमतेउति
विश्वभूवठभभवनभूमषठभतेविश्व
मितिकिमेतउमिहमहृद ॥ ॥ वितेभे
पामेमानः भ्राह्नहेभेरनजलः ॥ उयतभ
ष्टिसंदाकभूभभूधूमन्नकः ॥ ॥
षतउतिधूकमतिभित्रभूविश्वभूठनये
गातं ॥ पामेह्वेगेदि ह्वननलभ्रलक ह्वधं
उहूमदहूर्ते ॥ भ्राह्नठितुवेवानतिभितु
भष्टतिभित्रयभनमियद्विवर्वमिहूधूम
ज्ञयतीति ॥ उहेवंविश्ववेमिहून्नभेपिधू
कमभहूभ्रठवेभ्राह्नहभेनाणिकं किप्रिहि

[illegible]

[illegible]

ट्टि
३ तु
मा
०७५

अविद:

भ्रू +

जि +

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्रीः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

तद्वृत्ते [illegible] ॥ किन्तु तत्स्वरूपे [illegible] ॥ यदि
यथा [illegible] कारित्व [illegible] यथा
[illegible] ॥ यदि [illegible] कारि [illegible]
[illegible] ॥ किन्तु तत्स्वरूपे [illegible] प्रतिबिम्ब
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ किं [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
प्रतिबिम्ब [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] प्रति [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] प्रति [illegible] ॥

[illegible] स्फटिक [illegible]
[illegible]
[illegible] प्रति [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] प्रति [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ प्रतिबिम्ब [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] प्रतिबिम्ब [illegible] ॥
[illegible]
[illegible] प्रतिबिम्ब [illegible]

इपिश्च त्रमाश्च प्रमिहूंवश्चत्तुगएडीयइभश्री

ड्डुतभक्तीतिकथंवक्तुड्डुतड्डुंठवेडा॥ गाह्रु
पनुड्डु त्वंवश्च्रुरूमक्दमत्तुगभपिवुल्लेडा॥
नमेवमेडुडुरुद॥ डेडेप्रड्डइनेति॥ डडडेति
रुद्॥ रूमेतडा॥ वइइतिड्डमात्तुगेठवडीति
भवईभवइनीयं॥ गाहुंड्डुपाणिम॥ भुदवाह
इठिमतिडभेवठवडि॥ नेवमेडमिहइद।
नाप्ललमिति॥ नेडड्डदपुमिहडः॥ पडेड
भुदवामिपाविदेन्— ड्डुपभवुनवभुड्डुत्वं
पुडिठमः॥ नर्मड्डेइककादिवहेड्ड:ग
हुमयवडमिनवश्चेवप्रडिदत्तु, इड्डचेमा
भुश्चुडुवडा॥ नमेवनेडडा॥ पडश्चुद॥ पडी
माडीति॥ नमेड्डेइपिनभूड्डेनीयः वइष
डमृरुभ्रेरुद्— कथंडरूडुः पूवेमःभृडा॥
नमेडरू दे— भृ ध्रुडुः पइडेडषड्डेदि

ड्डुं

रुद्— भुरू त्वं ठवेडा॥ गाहुरूमभवश्चेवं
ड्डेडेकान्— पेकभिः॥ वदिश्वयड्डुकिल्लिड
भुपंठवडि॥ उड्डत्वंभगाइतिनेवमेवाभु
यवामडुमिपविदेन्— पव:॥ डंरू पुनड्ड
डितिमितुंरुद्— ड्डुपेड्डुवडुडेन— नड्डु मि
दपिभडुंलठडे, वदिरुद— मिपविदेन्—
पुडितिभुड्डुमिद्दु मुडे॥ डड्डुंड्डु॥ नश्चडड्डुमि
डि॥ पडनवमनेडड्डुपंपिश्रिभश्रिनंवपीट
द॥ नभूयुभूषिमपिनेडि॥ गाहुंदिव
भू ड्डत्वंभड्डुकलंयेगिवड्डुपीड्डुमुडे
पटषाड्डभूकि॥ नडड्डुनड्डुद्— मेरडि
रकेन्— भडुमेवनेपलठडेउडि॥ कभूक
लंयेगेनड्डुयिड्डभभुयिड्डुंवाठवडे॥ डभू
ड्डुमिडुडड्डभुएडीयड्डुठवडा॥ ममविध

[illegible]

श्रीः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

82

१०० [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

३०३ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्रीः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

नं
३ मा
श्रु
१०८

थमेवा ॥ श्रुत्वकाम्ऽनिध्याऽष्टनिहृत्रः म
प्रत्वः प्रतिबिम्बऽमञ्चवात्वः मूर्धवे प्रतिभा
श्रेञ्च तिऽप्रज्वेभिरवेविम्बमश्म ऽष्ट प्रतिबिम्ब
ऽवभाप्रदीतिः ॥ पर्ड्डैनाऽऽत्प प्रतिबिम्ब
रुडीयद्वैऽऽप्रतिबिम्बकलेविम्बष्ट प्रडीऽः
ऽष्टेऽवेऽद ॥ ॥ ऽन्नकल्पद्विवेदम्ब
ऽञ्चपात्र्पविज्ञयः ॥ ॥ विज्ञपऽति
विभज्ञञ्जवठभः ॥ ऽऽपिव प्रतिबिम्बक
लेविम्बष्ट प्रडीतिः ॥ वदि प्रतिबिम्ब प्रडीतो
विम्बष्टपिदम्बष्टः प्रडीतिदज्ञपाप्यश्च्री
तिज्ञिवेऽपविभिऽवऽ ॥ नमेयभिऽञ्चव
ऽकैवेठपालम्बनाः ॥ ऽश्ववाविम्ब प्रतिबिम्ब
येविभिमवतिञ्चद्रविह्यमेत प्रतिठभाऽ
वऽ ॥ ववदभ्रुऽ्डेः प्रतिठभ्मैभिवम्बऽव

ठवे

अङ्कवे किं प्रम ॥ मज्ञ्मप्रतिञ्जीयेत ॥ पिनम्भवज्ञम्बवम्बुऽः
श्रुतभश्रीतिभेत्रैऽऽ ॥ प्रठभाप्यभवव
श्रुप्रवश्रुपक श्रुभत्त्रैऽज्ञकं भऽभऽ
विज्ञपायेगाऽ ॥ भाप्यवर्ष्णैऽकश्रीतिदम्बा
ऽतिम्बष्टवभ्रुऽः अङ्कवेश्रुकिम्बप्रतिभि
भुऽवभोऽम्प्र प्रडीतिविवठवेभिऽृभि
विम्ब प्रतिबिम्बयेदगापद्भुडीतिगिति श्रिऽ
भेवाभ्रुऽञ्जडीयद्रभा ॥ नवैनेयाविकम
ऽपदभ्रुवेव प्रतिबिम्बपभभाज्ञभपभा
ऽप्रप्रऽभेषःपज्ञलेऽ ॥ ॥ ऽकुंप्रऽवि
ऽभ्रह प्रतिबिम्बभऽञ्चके ॥ प्रऽऽऽ भदेऽ
ऽप्रतिबिम्बवभञ्चदति ॥ मङ्कि नठभिभवज्ञ
भदचणभविश्रृञ्जऽः ॥ श्दचैंहेपिठठाभा
ऽम्कुलभीऽऽकेठवः ॥ पाम्भुः प्रतिबिम्ब
वत्रुम्देद्रुलेनाकाः ॥ ॥ ऽमदऽऽऽ

१०५

[illegible]

यथैवक्रूं

ठे ५ मा ठ ५०

[illegible]

[illegible]

[illegible] ३०१

मङ्गलमित्यादि किन्त्विदं [illegible] ॥ नत्वि
[illegible]
[illegible] प्रकृतिभिर्योगः ॥ इति [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] प्रकृतिविभ्रम [illegible]
[illegible] इति ॥ [illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] प्रकृतिभि [illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible] इति
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] इति [illegible]
इति [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

४३३

[illegible]

[illegible]

ॐ
त सा
भू
११३

तदि यथास्मात्त्विच्छिन्नैर्नीलश्रुतमि
त्यनुभवात्तत्तेपि विच्छिन्नमनुत्तमश्रुति
कस्य प्रकृष्यगमः ॥ नन्वयन्त्विष्टेत्येवंतथा
पि त्रित्रिमित्तमेवकथं श्रुतिरित्रश्रुन्यामि
ति तत्र हि श्रुतं किञ्चित्स्कन्धं वस्तुतत्त्वमि
त्यनन्तद ॥ ॥ यद्यपि कार्यं किञ्चिदि
श्वेनाभिधिसूत्ते ॥ तस्यापि श्रुतिरित्रवम
तिरोधे तथा नैतत्ते ॥ ॥ यन्नपलरित्र
वेनयक्किन्न श्रुतिरित्र इत्यनेन
मिश्रुते तत् ॥ किंवैतमनन्तितिक्रियतितिर्कि
त ॥ यनन्तितित्क्रिवेदनयश्च श्रुतिरित्र
सेवनरिति ॥ यतितिक्रियेस्मवन्नु सानन्दत
वत्रकिञ्चित्तवेति ॥ यत्तु मन्तोत्स्येव श्रुति
रित्रवेकिंरित्रश्रयमिष्टत्यमिति ॥ तत्रो

वेयमेदाति ॥ ॥ तत्त्वमेतन्नु अविद्ति
यन्तरय्यायसुगविद्ता ॥ मायुष्मेववि
स्नुतश्रुतिरिश्रुयस्तश्रुते ॥ ॥ स्वक
तेतिनन्नमः ॥ तेन श्रुतिरित्रश्रेयनन्नरि
श्रुयपितत्त्वः ॥ विस्तुइति नयन्तहि
मयस्येत्तत् श्रुतिरित्ररित्रं यन्नु योपि
मायकृमितिरुवः ॥ ननु तयोः पाश्च
रमयेक्त वन्नुयं वित्र तवे श्रुतिरित्र श्रु
मन्त्रवस्तुदद ॥ ॥ ननु रित्रश्रुपि
नदेश्रुतिरित्रं कथं तवेत्तो ॥ किं तत्त्वे
स्तेत्तत्त्विन्नरततिश्रुम स्तेत्रामी ॥ ॥
तत्तस्मेवमभाषते किं तत्र तदस्मि नाह
स्तुते तत्तिनदिन्त्वेतुरयपतेना मेति
तवः ॥ ननन्तायनुवयंदयुस्तायकृम

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

३३५

उंब
३प
श्रु
३३०

ष्टमदन्गकेतुजेनपथवज्रतत्त्वोन्गमत्वं
तभवेवधृउउडी॥धातत्त्वमिठकः॥षेमे
मधूरिषुवैयगीईमजिउं॥उङुनामिसं
धतत्त्वमेहङं॥नतज्ञपचवमेवरक्तमिडी
दनधनरनधमं॥नउकेवधूलतेयेन्गयति॥
॥ ॥रैणमिपुमिभेरैणङुमेनामहृ
तभनगी॥धाउडुमिरैणकेधूतिरिष्बंर
तष्टउे॥ ॥ष्टमेमनवततुक्तुपनाहू
ङ्कुकेविर्बरेणधूतिरिष्बंकिनतष्टडे॥
यवबूलेवाठिणतथमिठज॥पक्षमि
मनपिक्ष दन्गमिवभ्गापधृरैणङ्गिने
न.पथमनमर्द्वनभेवधूतउडी॥नदि
धूकमनतुनन्गकिम्रिमपीमंतपपन्तं
श्यगेमितिनवः॥पतजे॥उउङ्ग्धन्या

ष्ठनेवदिनउःधूकमतउे॥ष्ठनाहूतेनाङ्
मत्तुष्टनन्तुभेउउेन्गतडी॥नदिष्टनाहूतउे
कक्तुनमिठ्विधयीनउः॥ष्ठनंतमहु
तंधूधुमेतभ्रमवमीयतेष्टुति॥तथ
यगपद्गिरानाष्टनङ्कोयंयोगकतुपतडति
उभेवधूडिमिरिभूद न्गयेगोपिविसृष्टं
मितितिमितुलेवविभूवेभष्टउे॥तत्त्वमृ
तंकेभेधः॥नधनलनामिविदमःतथ
उविनधाठाः॥उदिवभ्रुवेवकठिनिवि
भूः॥उमूर्धबाकतुंमटेधूतिरिभूलन
न्गभूमयेन्गयितुमभमहृवुउ॥उमेद॥
॥ ॥लन्गभूइपद्वेषकभ्रमबेठि
भुभमृतनी॥धूष्ठवमुविद्वष्टते
नडुभपयिकेपूर्वीं॥ ॥कन्नमि

ਉਂ
੩ ਸਾ
ਸ੍ਰੁ
੩੩੭

ਤਿਨਿਦ੍ਵੇ ਤੁਕਮਿਣ੍ਤ੍ਰਃ॥ ਨਵਤਲ੍ਲਕਾਂਯੋਗ
ਙਿਸ੍ਰਪ੍ਰਸ੍ਰੁਤਿਰਿਸ੍ਰੁਰ੍ਵੰਯਨਸ੍ਰੁਤੇ॥ ਤਸ੍ਯਸ੍ਰੁੰਨਣ
ਸ੍ਯਕਸਠਿਨਿਵੇਸ਼ਃ॥ ਤਸ੍ਯਸ੍ਰਵਣਿਰਗਾਂਪ੍ਰੁਕਰ
ਾਂਸਤੁਨੋਾਂਸਨ੍ਤੁਵਾਂਯਵਕਥੇਸ੍ਯਾਦਿਣਦ॥
॥ ॥ਨਤ੍ਰਨਸ੍ਰੁਤਿਰਿਸ੍ਰੁਸ੍ਯਵਿਨਾਰਿਸ੍ਰੁੰਠਵੇ
ਡ੍ਰਿਤਿਃ॥ ਕਿੰਤਤਃਸ੍ਰੁਤਿਰਿਸ੍ਰੋਦਿਰਿਸ੍ਰੁੰਤਸ੍ਯ
ਤ੍ਰਾਤੁਤਿਨ॥ ॥ਯਤਸ੍ਯੇਵਸ੍ਰੁਤਿਵਿਧਤੇ ਕਿੰ
ਤਤਣ੍ਣਦਿਨਾ ਕਿੰਤਤਃਰਿਸ੍ਰੁੰਸੇਨ੍ਰਾਸ੍ਰਿ॥ਤਤ
ਕਿੰਨਕਿਞ੍ਚਿਦਪੀਣ੍ਤ੍ਰਃ॥ ਨਾਦਿਸ੍ਰੁਤਿਰਿਸ੍ਰੁਲਿੰ
ਸਾਯਾਦ੍ਵਾਯਵਾਦਨ੍ਵੰਰਿਸ੍ਰੁਨੇਕਕ੍ਰੇਨਵਤੁਤੇ॥
ਯੇਨਰਿਸ੍ਰੁਠਵੇਸ੍ਰੁਤਿਰਿਸ੍ਰੁਯਪਿਨਸ੍ਯ ਤੁਸ੍ਯ
ਦ॥ ॥ਯਤਸ੍ਰੁਲਨਾਂਸ੍ਯਸ੍ਯਪ੍ਰੋਤ੍ਰੋਸ੍ਯਤ
ਸ੍ਯਸ੍ਠਵੇ॥ ਨਦਾਨਿਦ੍ਵੇ ਤੁਸ੍ਯਦ੍ਵੇਤਪ੍ਰੰਸ੍ਵੇਯੰਯ
ਦਵਸ੍ਰੁਤਿ॥ ॥ਯਤਸ੍ਰੁਤਿਰਿਸ੍ਰੁਸ੍ਰੁਤਿਰਿ

ਸ੍ਰੁਯੇਸ੍ਰੁਸ੍ਯਤ੍ਰੁਵ ਤ੍ਰਿਤਠਵਾਤੇ॥ ਪ੍ਰੋਤ੍ਰੋਸ੍ਯੇਣ
ਤ੍ਰਿਸ੍ਰੁਵਿਧੇਯੇ॥ ਤਸ੍ਯਸ੍ਠਵਸ੍ਰੁਤਿਰਿਸ੍ਠਠ
ਵੇ॥ ਨਤ੍ਰਨਵਯੰਸ੍ਰੁਤਿਰਿਸ੍ਰੁਲਵਾਂਵਿਵਾਸ੍ਯ
ਸਦੇ॥ ਕਿਨ੍ਤੁਰਿਸ੍ਰੁੰਸ਼ਿਨਾਤਤ੍ਰੁਥੰਠਵੇਦਿਤਿ
ਤ੍ਰੁਯਃ॥ ਨਦਿਨਿਤ੍ਰਿਸਿਤੁਸੇਵਠਵਰ੍ਯੰਸਸ੍ਠ
ਵੈਣ੍ਯਯਤ੍ਣਸਤ੍ਰੁਦ॥ ਦੇਤੁਸ੍ਯੈਣਦਿਨਾਦੇ
ਤਸ੍ਰੁਙਿਵਿਧਾ॥ ਤ੍ਯਾਯਾਂਨਿਸਿਤੁੰਸ੍ਯ॥ਤ੍ਯਾ
ਸ੍ਯੇਯਥਾ॥ ਯਥਾਣ੍ਣੈਸ੍ਯਦਿ ਨਿਸਿਤੁੰਯ
ਥਾ ਤਤ੍ਰੈਵਸ੍ਯਸ੍ਯਦਿ॥ ਸ੍ਰੁਤਿਰਿਸ੍ਰੁਸ੍ਯਰਿ
ਸ੍ਰੁੰਨੇਯਸ੍ਯਨਕਾਂਸ੍ਯ॥ਤਤ੍ਰਿਯਣਤਵਾਯਤ੍ਰੁ
ਤ੍ਰੁਯਵਿਕਾਸਸਣਕਦਾ ਨਗਾਸਿਦ੍ਵੇਨਵ
ਤੁਤੇਨੈਵਸਣਰਿਸ੍ਰੁੰ॥ ਸ੍ਰੁਤਿਰਿਸ੍ਰੁਸ੍ਯਯੇਸਿਤ
ਸ੍ਯਵਿਦਤਤ੍ਰੈਵਯਥਤੁਯਲਸ੍ਰੁਤੇ॥ ਤੇਨਾ
ਤ੍ਰਸ੍ਯਤ੍ਰੁ ਵਸ੍ਯਟੇਨਿਸਿਤੁਕਾਂਸ੍ਯਰਿਸ੍ਰੁੰਤਤ

ॐ
८ मा
१८
११३

ह्म निमित्तकारण विषयाव यं भूते ना
हुइङ्दं ॥ ॥ डङ्घिम निमित्ताय्थं ते
पारुनेकघह्मन ॥ निमित्तकारणतं म
कमाम्हङ्घिमङ्व: ॥ ॥ नम निमित्त
कारणतं अचं मचिकय्यैव मंठवेठवि
ङद निमित्तेङ्छि ॥ ङदाथल्यरुमङ्घि
दरोणपिम्हकारदहेवमडंहृमयर्ने ॥
[illegible] ॥ [illegible] भगवतिविषु
लेपि[illegible]
[illegible] निमित्तका
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] निमित्तउ
[illegible] ॥ ॥
[illegible] ॥ ॥

निमित्तेन [illegible] ॥
॥ ॥ [illegible] निमित्त उ
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] निमित्त [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥
[illegible] ॥ ॥ [illegible]

ॐ
३ मा
षु
३३७

तु विष्कम्भयोगिनी ॥ कथ्यन्ते तेन वै संविधि
ष्कुंभं प्रतितं गतं ॥ ॥ अष्टषष्टिं घटिका
नानि भिन्नत्ते लं, यं, हुं तिमष्टत्तं कतस्थ
स्थितः संविष्कुम्भेति ॥ नदिसंविष्कुम्भ
भवभूतेविष्कु म्भे नन्दं च वेष्टितिं लवः ॥
संविष्कैविष्कुम्भेदिपहू पते इदि किंस्त्रिमपि
स्थागिष्टितिं भवपितिमनंतुं भूत्तो ॥ संविष्कुम्भं म
वभुसंवेष्टनं नत्वं म्भेवनततेणिक मिति नत
म्भपिविष्कुम्भेनत्वं यत्तो ॥ प्रतपुद ॥ नवैसं
विद्विष्कुम्भं प्रतितंगततिं ॥ नरपदिवंतदि
पूत पूदकत्वनानवनठवेष्टितिं ॥ भनपू
हवदनविष्कुल्लेपः भूत्तो ॥ भट्टं ॥ नदिपतं
संविष्कुम्पत्त्वे म्भगतुं भत्तभष्टस्त्रि ॥ ततिं
भवं संविष्कु पाकिंनभ पूत पूदकंनपिष्टतो ॥

संवपतः पृथ्वतत्तुत्तं कुंपंगोपयित्वं ॥
पदमभवं भितत्त्वं नतत्वं नत्वं भपति
त्वं पंभकलेपूत पूदकतुं तेष्टत्ववद
तः तष्टद ॥ ॥ प्रतनवतुं किंत्रिंदी
संस्तुनवतस्थापनं ॥ पदष्टविष्कुम्भनत
तंसकलभृष्णनने ॥ ॥ प्रतनवप
नसंविष्कुम्पकनाविष्कुम्भभष्टवाहुतेः ॥ कि
त्रितुं कुंभितपूनपत्तुं भस्पुटंनिविकल्प
कुंपंक्ष्मन भतुंसं पासंविष्कुम्भपयेष्टत्व
त्रितवत्रितवत्तु ॥ पदष्ट प्रतिरिपुभूवि
ष्कुम्भेनेभसकल्प ववष्टतंत्वतं ॥
विदिभिदिभकल्पदृष्टं वपिरित्रितत्व
त्रीपूतत्स्थानं स्थिभत्रिणवपितनवकत
स्थितितिरिंदं कयानंस्थितिलवः ॥ नवतदिः

ग्ले विबुंधवहमुमेतिम॥ डकुलेविड्डिभवङफि
१११ वमक्तिविवल्लितमिहष्मिलवा॥ऊतुल्थ
गभेविहुतुलवाऊडॅ॥ ऊलाहुमतृमवठ
मिडेमिवमक्तिलवा॥भक्तालेडभूधूकमे
कैवलवांुतुपद्वैगहुँडभागमूभापभावि
ब्रुप्रगभुठवा़डावव॥ मक्तयेभूगगडू
ड्डुमिहहूक्ताकलभूगाऊधूभाकुबैगग
डः॥ वडुषगेडेनमालडेडझील॥ ब्रुडावव
क्तलेठवं॥ वक्तलाडुकैलेडभूभतुःडम
डुगाभीतिकैलिकीनक्तिः॥ वयाभभग
तुगेक्तडुपःधकुगवियुक्तः डमहकिमरि
डधुठवडुहडः॥ गवंमकालकांक्तले
मगीमहेहकिवल्लेभूकिदिडःमेधिमे
वः॥ गचेझागधिडकझिहुतिदतुगवि

र

हुडे॥ धुवधम्झडुमेविधूगलिकाभुवमिश्रि
डः॥ ऊहहुकाधकुगामगादगाडे॥ भुक
गऊठिथडेडुझदडामुमधडडीलठेवा
पगपगभक्षमालीडेडाधुकमाहुडप
भवृमेवहुडभावः॥ डडक्ते॥ वगादडदडे
डीलेभदविधभमिक्तिडिः॥ वीगमदकुहु
हुक्तेगवेकहविभुडुहुडेउति॥ डभूमथ
वेवभमक्तिक्तलभूमगीभूयडुधवं॥ डेग
लभूभगा॥ डकगीगरक्रिकेहक्तः॥ मड
गवकैलिकीडुक्ता॥ वधादिगवेभूक्त
क्तल्छलिनीमक्तिमिवनभदपगभ्दागभगा
भूगघुभतुकठवाडुकंमडुडुगाभाहे
ह्रिडमडीकडडाब्रियाहुपडभारिहुहो
हीबंधडुहयडी॥ पडूठककाडभम्रि

𑇑𑇓𑇕

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पृथीयते ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

१२३

[illegible]

३२५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ति
३ मा
५
३२७

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥
[illegible] ॥
॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]

[illegible]

ॐ
३ मा
श्रु
७५०

पारमितायुगेमय उक्तं [illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible] ॥
[illegible] ॥ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

ॐ
ट
ड मा
ञ्छ
३५०

उङ्इ॥ः॥ नन्नुयंभंविन्नाषःकिमितिनराभ
नियडेनङ्कुपेभिम्ध्रगेमिडिमङ्कुद॥ ॥
घन्मुशृष्मेकङ्कुपेवधुपामेम्रदेम्राः॥भ
देम्राङ्गंभविङ्कुडमतिदस्मुण्क्षिवर्ज॥ ॥
यम्लिनाभभदेम्रवःभुतिनियडेनकेनमिङ्ग
पेञ्चवडिभुडेङमशृपण्लिङ्ग्येलनभदे
म्रदंभविङ्ग्यंर्ङ्वमनशृङ॥ गडमेवङ्शृभदे
म्रदंभविङ्ग्यंर्ङ्वमयङमरियडवभूवमक
ङ्कनापमिम्ध्रगमिङि॥ उषाङ्केकमेदमंभवि
ङ्ग्पंदङ्कविधामङ्गेनककनापिवर्तुंपङ्ग
मः॥ ङ्गेङ्खेभुंमङ्कः ङ्कियातुमिङ्गङ्कुऊ घ
ङ्कभविङ्कवमनेककाङयापमिम्ध्राडीडि
ङ्कवः॥ नाभुङ्गविवानःनमाभुभुङ्कुमकन
ङयापमिम्ध्रालेङ्कुभुङ्गिकनडिगेकवि

कल्देपदङङ्कद्रविङ्गमिमिनिमिङ्कुकिं॥ङ।
भ्रानवभ्रङ्कवःपःम्राङङ्कमिमिडिभदेम्रद
मिडिमभवर्ङ्कुं भुङे॥ ङङ्कुडिनियडेङ्ग
धुङ्कुमेभुकमभानेभदेम्रदेभविङ्गप
ङ्कुमनम्लमिडिणङ्गमेवापडेङ॥ ण्डाप
वदिपाण्डिमिङ्गमिङ्गनीभङ्गङ्गडीङ्गेवभ
ङ्कनियङवङ्गभेङ्गवेत्रधुकमः॥ गडमेव
गिङभृण्ङङ्कलवेण्पङ्कुमुकमनवम
ङ्गनकेनमिन्नपमिङ्कुङ्गङ॥ पङ्गभुभीय
भनङ्कमेवदिपमिङ्कुनभुकमनङ्गयनाप
भवङ्गेव्णङ्कभुलवेभमुङ्गङ। उमद॥ ॥
पमिङ्कुनभुकमवङ्कण्ङ्कभुकिलालवेभी॥
ण्ङङ्कुलवेगेपेमेङेनपमिभीय
ङ॥ ॥ पङङ्केवभङः ङङाषेयमि

[illegible]

ठि
उ मा
नु
७५८

मृकैकमउधृमाजाभिनेधाङ्गेनमक्ति
भकृधवगी॥ उकृधमिनाभभंकिंकुधनि
हमकृद॥ ॥नउक्रिउयमैहेनय
मउधूक्लेउम॥ नकेनमिदधाधींवंस्र
श्रविधुउिधेणउः॥ ॥नउकुगिक्लिउ
नक्रियालद्वंहिउयं॥ यमक्रियामकृ
कृनाभभमृनेनधूक्लेनउुमकेनमिमधी
धृमाजामिनविधयेल्केक्लमीनमीली
यनंमस्रुतस्रेनविधूउिधेणमीधलीय
नक्लनक्रियंधे॥नाङ्गनंक्लेधेनधिनक्ल
क्रियंधेःकदेन उक्ल क्लनंयेगिहेधंकुध
कृग्नदाघ्हदउर्ध्वनेधाणीयंनाक्षरीयमि
हकु॥यङ्गहुाउि॥ क्रियाम्भवीगिरङ्गरमि
उि॥पडाम्थधेउक्रिमुलमक्लेनेउुमिटद

॥ ॥लेलीक्रुउअउःमाक्तिहिउयंउहिक्ल
लकगी॥ यक्षिनाभुभभावेमाक्लवेहेगीगि
गङ्गनः॥ ॥धेउनधदिहउवकुडेःलेली
कृतंन्दविद्वेधृविकगभधुमेउक्लाक्तिहिउ
यहिक्लेलमधृहाजेमंधक्लिनवधणिकु
धनकेवलंधृयंगिगङ्गहिंयधउकुउभ
भावमाकृधुउमैकक्लेयेगृधिगिगङ्गने
कवेउ॥धवेउमधधूनेयाउुनवाधेने
धमंदनउि॥ ॥थउकुयमाजउधम
मनहधुनीदमगी॥ उक्रुमिकुधभेकेम
कृहधमधूकउंकृगी॥ ॥यडिउकृ
गमउउक्लकृवल्लमकृधयमनहक्लल
गीलधदउुनीद्भनंधवेउुकुधनधूकं॥
उकृकृमेगधुधधकृवंभनाकृकंकुंउेन

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]

श्री
३ म
१
३५३

कद्रुकें न ठवेतं ॥ नापि प्रभुकमस्व तेद्भुक
चेत्र ॥ ख्यपितुप्रदर्ष्लिणमहया रुधु
कः पाअद्रिकतुषः ॥ श्रुप्लिमद्वरुया ज्ञुम
दकर्ह्व मह्र ठमिं तुं नानावन्ठ द्वमयग्रहं ॥
र तज्ञकेवलं नाभ्कठि वेतुं यावद्ठवत
वभ्रमेवनापि ॥ वकृतें ॥ गुरुम्द मेति ॥
यज्ञीतं ॥ नतद्भमयतेप्रदेनममर्क्केन
मावकः ॥ यज्ञवनाविवतुतुतह्रु भपाअं
अपति ॥ रातमेवतु वैरोम्बयति ॥
॥ यत्रप्रदेनवर्भेने नाश्रिठभयतेपि
म ॥ नमाकुमेअं ज्ञीतं तदुकमाज्ञिन
अदः ॥ किमभ्रुश्चिनिंर्ल्कं तुअंविसि
तुंभुकमते ॥ ॥ यद्वाअंणमनभुति
नियतप्रदर्ष्लिाकतुअंपपितुठमयते

म ॥ श्रावठवमवतुरु द्वठगप्रेनमृतं ॥
भुतुतप्रदर्ष्लीनं भुकशुद्वतुद्रुकमसतु
रा भुकमपानतेवनश्मिति ॥ भयाव
भुकमः ततुभुदर्षद्वना भुग्दतं ॥ म्बत
नवितुं अंविमिकुं भुकमतेत्ति ॥ नतय
ह्ववतद्धि ह्या तें कुमद्वविमेपपिते
द्धि हद्वनेमिकुं तत्तश्रुपिहद ॥ ॥
ब्रब्रतनुभुर्णवेहञ्चिमिद्रु पाणिभक्षतः ॥ भु
कमेयाति तेज्ञ ष्लिपवतुविमिद्र तअं ॥
॥ ॥ ब्रब्रतनुआदद्भुनहद्वजिवटह
हष्लिकुं पे येअ द्वपाणिभुनवेमिद्रु अपाष्लि
तेजतुं ल्कुमअतभञ्जपगतः भुकमः तेज्ञ
हद्वनेमिद्रु तुतुं याति तज्ञपतया भुग्द
मीदजः पागावदिभुकनः पातिवष्लिद

तं
३ म
स्व
१५७

हृदयमंडितः वज्रहुंकारा प्रभृतय हृदयमे
यदितश्च हुंकारा प्रभृतेर्भावयेत्स्वेय
रजान्प्रदर्शनाय पूजयेत् ॥ मुद्रकवज्र
मकवजेकृत्वा मण्डलं पंविमिश्रितं भवेद
भवेत् ॥ तत्रपाणियोग भावयेद्वक्रक्षेम
वंशकृत्य अतिमायकमभिवेशि हूं तदन्ते
मण्डलं चक्षुर्भूपंच्यते तेयमभवति ॥ ॥
मण्डले तेषां संपुटः यडिवं भायभावि ॥
तेस्य चक्रहेतुर्विमेभेदः चक्रवर्तम ॥ ॥
चक्षुष्पादल प्यडितीक्ष्य मुहुः भूमि हृदलि
मण्डल मयषट्प्रतिरश्मितः ॥ मण्डलचक्र
यमिदेनाभूषणवलीकनीयतमेडीति
मनुष्यवर्तवेवषयभूषणैः भूषणैःपड
पणैयषट्भ्रमकुपमडिमायतडीडि ॥ तव

भूपदिडश्चकुपक्ष्वेवप्रदक्षिणकमः
भूपुकमनेभवित्कमभवेकडेमन्त्र
॥ ॥ प्रदक्षिणपुकमेभवपादिक
वधीतडः ॥ अविश्चकमेभयदिमभडम
वहूयकडे ॥ ॥ अविस्त्वकडेनतुल्य
कृदक्षिणकमाश्च मृपुकमभूवेलद
हुंमचितं ॥ नवमपूर्वं यथा मच्छवंशकु
पंमजयति ॥ ॥ पुकमभभूषणे
प्रदक्षिणमुद्रश्च पुरमि पुकमवयभूमां
मवद्धि इन्द्रेमउमुद्रे ॥ ॥ मन्त्रमि
हृदयहृदयादिडमिहदुः ॥ प्रदक्षपु
कुपुकमभूषणेवकुपमिडिहदवः ॥ पड
नवमापूपुप श्वेतपुरुषनमाभूम्य
विवविडेकुपं ॥ मध्यंभवलनभविकं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वेति ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

१०७

स्वरूपे वै [illegible] कीर्त्तितः ॥ ॥ कला
[illegible] इति ॥ [illegible] कला [illegible]
[illegible] विमर्श [illegible] ः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
ति [illegible] दीति [illegible]
[illegible] ॥ कला [illegible] मीया [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] कला [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] कला [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] केलि [illegible] ति [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] कला ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] विमर्शः ॥ [illegible]
[illegible] विमर्शीय [illegible]
[illegible]
[illegible] विम [illegible]
[illegible] ः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ः ॥ [illegible] विमर्श [illegible]
[illegible]
[illegible] विम [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] विमर्श [illegible]

[illegible]

[illegible]

३१३

[illegible]

[illegible]

त्रि
३ मा
शु
९१३

त्रैवर्ष्युत्तिदत्तस्तवप्रज्ञेतुपमित्रुमूर्त्ते ॥ तति
वत्सरत्तः ॥ ततद्वैवमुतुंपण्ति ॥ ॥ यत
मदागमत्रत्तेकत्ताकत्तुंतुवमिततमी ॥ पुरि
त्रुपमविकंतुपूत्रणग्न्यवलितमी ॥ ततमितुं
भमण्पवमयेत्रापज्ञगत्री ॥ ॥ ततम
तत्वीकभतत्तुंतुवियततुंपंतषा ॥ कत्रुते
तवभूमुलि ठक्तिभ्रेदज्ञिमेघतः ॥ ॥
तत्रुपक्रुत्र ॥ यततमदागमित्रामिमाठिण्य
॥ ततमितुंवियुक्षीतभण्केनभदत्रुना ॥ मे
वक्तिवरगत्रुवमित्रुवित्रणात्रुना ॥ यद
कत्र भुषानात्रुः पिमात्रुः भूर्यपेषितः ॥ वम
भयात्तिभतगेवरवगीधुककषेत्रुत्रा ॥
यमिद ॥ ततमितुंभभण्यवमयेत्राप
ज्ञगमित्रत्रुत्रेल्पण्तिं ॥ यततुवदेव

भद्रारुपवत्त्वतत्रुत्रेकमित्रुमवांगदित्रै
मितत्वमपूमूत्तपूमुत्रमुत्रुपभी ॥ पतत्पव
मिक्कं ॥ नांश्रेत्रागपितकक्रितृतिदत्तप
वित्रुते ॥ भुपभुत्रागतेमेवः पूलिनाभुमि
मित्तुतत्रत्रुत्रा ॥ भुपभुत्रागत्रुपवमर
भभुत्तिनीभत्रागयिषं नपेदते तत्रतः ॥
ततपेकेवेदितभूः कममिक्कवमभूति
त्रैमितत्वंनभूमितिठवः ॥ पतत्पवभद
लमिति ॥ भुपक्तितिमान्त्रैव ततत्रं ॥
पतत्पवत्रत्तं ॥ त्रत्तंवंदित्रुरकाण्ठिया
तमिनाठवेतं ॥ तत्रेक्षपीनमितिकंषमेत
त्रुतं ॥ पतत्पवत्रमितुं नामषुंयत्रुगेगी
लंभवक्रुतेपुवमित्तुतमिति ॥ षत्रेत्रैत्रप
कत्रुत्रुः पूल्लतत्रुपवमकत्रत्रुत्रा ॥ भ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ३११

[illegible]

[illegible]

ਤਿ
੩ ਮਾ
ਕ
੭੧੩

ਨਿਤਕੁਪਦ੍ਵੈਸ ਤ੍ਰਿਣ ਖੇਪਮਿਲ ਸਮਤਿਃ ਮ
ਖਿਲਾਡੀਯ ਬ੍ਰਿਹ ਦ੍ਰਪੈ ਯੰਸਮਹੂੰਸਃ ॥ ਪਰਤੁਰਮੁਰ
ਪ੍ਰੈਸ੍ਵ ਯਾਂ ਤੇਨ ਮਮਸਿ ਕੈ ਪਾਪਮੀਤਿ ਪ੍ਰਸੁਮਾਤ੍ਰਿਃ
ਮਤੀਯਾਕ੍ਰਤੂੰ ਯਾਤਿ ਯਕਾਰਦ੍ਰ ਦਿਮ੍ਹਾ ਤੀਤੁਃ ॥
ਸੈਵਤ੍ਰਿਣ ਪੀ ਸਮਤਿ ਮਿ ਤੁਤਿਨਿਰੈਣ
ਤੁਤੁਸੀ ਪੁੰਸ੍ਰਿਰੰਸ ਦਵੈ ਪਤੁ ਪਰੁਸ੍ਮਯ ਮਤਮਿ
ਖੁਮਾਂਤ ਕ੍ਰਲਖੇਤ ਕੁਖਿਤ ਮਤੀ ॥ ਪਰਤੁ
ਰਤ੍ਰਿ ਵਿਲਾਡੀਯੇ ਪਤ ਕ੍ਰਾਪਕੰ ਤੇਨ ਮਮਸਿ
ਕੈਪਾਪਮੀਤਿ ਮਤ੍ਰਿਸੁਤ ਰਕੰਲ ਕੰਸਗ ਸੁਤਿ ॥
ਤਸਦ੍ਰਰਾਣ ਮਤੇ ਤੁਣੁਤੁਃ ॥ ਸਰਵਦੇਵਮਤ੍ਰਿ
ਗਪਿ ਤ੍ਰਿਪੂਕਰਾਵੇਲਤਿ ਮਤਿ ਗ ਰਤੁ ਸਮ
ਦ ਮਧ੍ਰਸੈਵ ਨਤ ਮਤ੍ਰਿ ਚਕਾਰਵ ਮਾਣ ਮਯੇਡੀ
ਤਨਤੁ ॥ ਵਿਸਿਤ੍ਰਿਸਮਤਿ ਸੈਧੈਗਾਮਿਕ੍ਰਯਾ
ਨਕੰਗਤ ॥ ਤਦੇਖ ਮਤਿਰੰ ਯਤਿ ਵਕ੍ਰ ਸੈਵਵ

ਰਨਤੇਤਤਿ ॥ ਅਪ੍ਰਿਮਾਰ ਪ੍ਰਕਦੁਕ ਮਿਣੇਰ
ਮੁਵਨਾ ਰੀ ਤ੍ਵਲ ਸ੍ਰਯਕਾਰਿਹੂੰਲ ਜਿਤਮੀ ॥
ਏਵੰ ਪਰਲਾਰਾ ਅਪਿ ਮੋਖ਼ਕਰਿਤੂੰ ਮਦ੍ਰਕਤੂੰ
ਮੁਸ਼ਕਤੂੰ ਮਤ੍ਰ ਸੇਰਾ ਵਗਤੁਹੂੰ ॥ ਨਤ੍ਰਿਧੂਮਾਰਾ
ਤਪਰਾ ਯਾ ਅਪਿ ਵਗੁ ਮਾਲਾ ਸੀਣ ਤਸੁਕਸ
ਤੇਵੇ ਪਰਾਮਸਾਤੁਰਲਾ ਨਮਮਜੇ ਣਰਤੁਮ
ਸਨਣਲਾ ਸੁਸ੍ਟਃ ਪਰਾਮਸਾਤੁਰਲਵਾਂਕਦ
ਮਦ੍ਹਤੂੰ ਰਾਮਤਸ੍ਟ ਪ੍ਰਾਦਕਰਾਮਿਤੁਪਵੇ
ਨਣਸਃ ਕਥੰ ਸ੍ਰਤ ॥ ਕਰਾਣਣਦ੍ਰਿਕਦ
ਣਸ ਕੁਰਾਂ ਸਾਤ੍ਰ ਰਤੁਰਾਂ ਮਸ੍ਰਤੁਕਸੇਕ
ਸੇਵਤਿ ॥ ਕਿਮੇਤਮਿਣਸਦ੍ਰੁਦ ॥ ॥
ਤੁਕ੍ਰੈਵਾ ਰਤੁਰਾਨਕ੍ਰਯਾਤਾਸੀਖ੍ਰੁਤ੍ਵੈਗਤਃ ॥
ਵਾਧ੍ਰਾਗਿਤੁ ਸ੍ਰਤੁ ਵਕ੍ਰਿ ਤੁਮਾਰਾਤੁਦ੍ਰ ਤਡੇਣਾ ॥ ॥
ਤੁਦੇ ਕ੍ਰੈਵ ਪ੍ਰਨਗਿਤੁਮਾਮ ਪ੍ਰਤੁਰਾ ਨਸਣ

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS
MANUS DATA

DSO 00001 8109

Record No.	Organization / Individual 8109

Name of the Institution Personal Collection	Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar.	Communication Address	Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.

Title of the Text Tantrāloka Other Title	Bundle No:........................ Acc. No./Manuscript No....2550....
Author Abhinavagupta	No. of Folios...278 281..........Pages.............556..............
Commentary yes	Size of Mss. 21.5 x 15.5 cm Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others
Commentator NO	Missing portion yes (last folios)
Language Samskrit	Illustrations NO Complete/Incomplete
Script Śārdā	Condition: Good/bad/brittle/worm eaten.Fungus/Stuck
Date of Manuscript	Source of Catalogue: Descriptive/Hand list/Alphabetical/Index card
Key words Tantra	Colour of Manuscripts cream
Subject Tantra (Śaiva)	Remarks Loose Falios

04/05/06

NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS
MANUS DATA

DSO 00001 8109

Record No.	Organization / Individual 8109
Name of the Institution: Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar. Personal Collection	Communication Address: Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.
Title of the Text: Tantrāloka Other Title	Bundle No:……………........ Acc. No./Manuscript No……2550……
Author: Abhinavagupta	No. of Folios…~~278~~ 281……….Pages…556………
Commentary: yes	Size of Mss. 21.5 × 15.5 cm Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others
Commentator: NO	Missing portion yes (last folios)
Language: Samskrit	Illustrations NO Complete/Incomplete
Script: Śārdā	Condition: Good/bad/brittle/worm eaten.Fungus/Stuck
Date of Manuscript	Source of Catalogue: Descriptive/Hand list/Alphabetical/Index card
Key words: Tantra	Colour of Manuscripts cream
Subject: Tantra (Śaiva)	Remarks Loose Folios

04/05/06